अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 267 लखनऊ, गुरुवार, 16 अप्रैल 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

छत्तीसगढ़ पावर प्लांट हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हुई

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। जिले के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार को हुए इस भीषण हादसे में कुल 36 श्रमिक झुलस गए थे। इनमें से 17 श्रमिकों की मौत हो चुकी है तथा 19 घायल हैं, जिनका उपचार चल रहा है। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद पार्थिव शरीर को उनके गृहग्राम तक एम्बुलेंस के माध्यम से भेजने और तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

बंगाल में सत्ता में आने पर जनता से 'लूटा गया हर पैसा' ब्याज समेत वापस दिलाएंगे : शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने पर तृणमूल कांग्रेस द्वारा जनता से लूटा गया हर पैसा ब्याज समेत वापस दिलाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र पर 24 साल के लंबे शासनकाल के बावजूद भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। जलपाईगुड़ी जिले के राजगंज में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार की विदाई तय है और इसकी शुरुआत उत्तर बंगाल से होगी। उन्होंने कहा कि मोदी ने 12 साल गुजरात में और 12 साल केंद्र में शासन किया, लेकिन उन पर एक पैसे के भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा।

यूपी बन रहा ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब : सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टाटा मोटर्स के लखनऊ प्लांट में 10 लाखवीं गाड़ी को किया फ्लैग ऑफ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- किसी भी स्थिति में बाहरी तत्वों को समूह या प्लांट के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टाटा मोटर्स के लखनऊ प्लांट में 10 लाखवीं गाड़ी को फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री ने इसे एक औद्योगिक उपलब्धि से अधिक राज्य को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि 34 वर्षों की यह यात्रा ॢटाटा के ट्रस्टॣ और उत्तर प्रदेश की बदलती कार्य संस्कृति, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर व निवेश अनुकूल माहौल का प्रमाण है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी ने केवल औद्योगिक उपलब्धियों की ही बात नहीं की, बल्कि कार्य संस्कृति के मूल मंत्र को भी प्रमुखता से सामने रखा। उन्होंने कहा कि किसी भी समूह या संस्थान की सफलता का आधार टीमवर्क, कृतज्ञता और ईमानदारी है। हर कार्मिक को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता के साथ करना चाहिए, क्योंकि यही भाव लंबे समय में व्यक्तिगत और संस्थागत प्रगति सुनिश्चित करता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी संगठन को मजबूत बनाए रखने के लिए बाहरी हस्तक्षेप से बचना बेहद आवश्यक है। उन्होंने चेताया कि ॢबिगाड़ने वाले बहुत मिलते हैं, लेकिन बनाने वाले बहुत कम होते हैंॣ, इसलिए हर कर्मचारी की जिम्मेदारी है कि वह संगठन को परिवार की तरह समझे, उसकी एकता और विश्वास को बनाए रखे तथा सकारात्मक कार्यसंस्कृति को आगे बढ़ाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए कृतज्ञता का भाव आवश्यक है। यह समझना जरूरी है कि किस समूह के कारण हम आगे बढ़ रहे हैं और जो देश के विकास में निरंतर योगदान दे रहा है। हर कार्मिक को टीमवर्क, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ अपने

दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए, क्योंकि यही भाव दीर्घकालिक सफलता का आधार बनता है। किसी भी स्थिति में बाहरी तत्वों को समूह या प्लांट के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने टाटा ग्रुप की कार्यसंस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समूह अपने कार्मिकों के साथ परिवार जैसा संबंध रखता है, और इसी पारिवारिक भावना को बनाए रखते हुए संगठन को मजबूती के साथ आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने संबोधन में कहा कि आज का यह क्षण हम सभी के लिए गर्व और प्रसन्नता का प्रतीक है, जब 34 वर्षों की गौरवशाली यात्रा तय करते हुए टाटा मोटर्स ने लखनऊ प्लांट से 10 लाखवीं बस को लॉन्च किया। यह उपलब्धि केवल एक इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन मात्र नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक उड़ान का लॉन्च पैड है जो भारत को और भारत की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित कर रही है। यह 'माइलस्टोन मोमेंट' नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की उस उड़ान का प्रतीक है, जो रुकने के लिए नहीं, बल्कि निरंतर ऊंचाइयों को छूते हुए विकास, विश्वास और खुशहाली को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

मोमेंटम की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह केवल एक 'एम' नहीं, बल्कि 'मास' और 'वेलोसिटी' का समन्वय है। जहां द्रव्यमान होता है, वहां गति स्वतः उत्पन्न होती है और यही गति नई ऊर्जा व ताकत प्रदान करती है। उत्तर प्रदेश के संदर्भ में यह 'मासेस' 25 करोड़ की विशाल आबादी और 56 प्रतिशत युवा वर्कफोर्स के रूप में सामने आता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप राज्य सरकार इस जनशक्ति को स्किल, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी से जोड़कर उसे मार्केट-रेडी और इंडस्ट्री-रेडी वर्कफोर्स में परिवर्तित कर रही है, जिससे प्रदेश विकास की नई रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है। 'वी' यानी वेलोसिटी को डबल इंजन सरकार की डबल स्पीड का प्रतीक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेसवे समेत बेहतर सड़क नेटवर्क और सुदृढ़ कनेक्टिविटी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही है।

टाटा मतलब ट्रस्ट- यह केवल धारणा नहीं, करोड़ों लोगों का अनुभव

मुख्यमंत्री ने कहा कि बचपन से लेकर आज तक टाटा की बसों और अन्य भारी वाहनों के माध्यम से लोगों की यात्राओं व आवश्यकताओं की पूर्ति को हर भारतीय ने देखा और महसूस किया है। चाहे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सामान पहुंचाना हो या रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना, टाटा हमेशा भरोसे के साथ खड़ा रहा है। यही कारण है कि टाटा ग्रुप आज देश में अटूट विश्वास का प्रतीक बन चुका है। ॢटाटा मतलब ट्रस्टॣ केवल एक धारणा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का अनुभव है।

रोजगार और स्किल डेवलपमेंट का प्रमुख केंद्र बना प्लांट

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुकूल इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा और सुविधाओं के बल पर टाटा मोटर्स का लखनऊ प्लांट 34 वर्षों में निरंतर विकसित होकर नई सोच, निवेश और तकनीकी प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण बना है, जहां डीजल से सीएनजी और अब इलेक्ट्रिक व्हीकल व डिफेंस ट्रकों तक का विस्तार भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बदलाव को दर्शाता है। 10 लाखवीं बस, 200 किमी रेंज जैसी आधुनिक तकनीक पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा दे रही है। 5600 से अधिक कार्मिकों के साथ यह संयंत्र रोजगार और स्किल डेवलपमेंट का प्रमुख केंद्र बनकर 'लक्ष्य' प्रोग्राम के तहत युवाओं को अवसर प्रदान कर रहा है। रतन टाटा की परिकल्पना से स्थापित यह प्लांट आज लगभग 6000 परिवारों की आजीविका का आधार बन चुका है और लाखों लोगों को रोजगार से जोड़ चुका है।

नोएडा हिंसा : झूठी सूचनाएं फैलाने में राजद के दो प्रवक्ताओं समेत छह पर एफआईआर, कांग्रेस के दो नेता भी शामिल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। नगर के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में वेतन बढ़ाने को लेकर श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों को भड़काकर माहौल खराब करने के आरोप में पुलिस ने राष्ट्रीय जनता दल के दो प्रवक्ताओं, कांग्रेस की सोशल मीडिया के समन्वयक सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बुधवार को बताया कि नोएडा की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी और भड़काऊ वीडियो प्रसारित कर सार्वजनिक शांति भंग करने

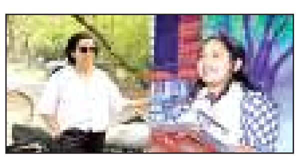

के मामले में राष्ट्रीय जनता दल की प्रवक्ता प्रियंका भारती और कंचना यादव के खिलाफ नोएडा की साइबर क्राइम थाना में मुकदमा दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि उप निरीक्षक सुशील कुमार की शिकायत पर 14 अप्रैल की रात को इनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। उन्होंने बताया कि इन पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो हैंडल से की गई पोस्ट के माध्यम से सार्वजनिक शांति एवं कानून व्यवस्था को भंग करने का गंभीर आरोप है। प्रियंका भारती ने अपने एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया, जिसमें उसने एक वीडियो पोस्ट करते हुए इसे नोएडा का बताया है और टाइटल में लिखा है कि नोएडा में कर्मचारी हड़ताल पर हैं, उनकी न्याय संगत मांगों को सरकार इस बेदर्दी से कुचलती हुई''। एक अन्य ट्वीट में डॉक्टर कंचना यादव ने अपने एक हैंडल पर पोस्ट किया है कि ''गोदी मीडिया मजदूरों का पाकिस्तान कनेक्शन बता रही है, तो नोएडा पुलिस लात मारकर सैलरी बढ़ा रही है।'' इन दोनों पोस्ट के साथ अपलोड किया गया वीडियो 11 अप्रैल की मध्य प्रदेश के शहडोल जनपद के बुढार थाना क्षेत्र का है।

भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक परंपराएं हमारी ताकत: प्रधानमंत्री

- मंड्या में प्रधानमंत्री ने 'श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर' का किया लोकार्पण, रागी मुड्डे को बताया सेहत का स्रोत

एजेंसी

मांड्या (कर्नाटक)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत हजारों वर्षों से चलती आ रही एक जीवंत सभ्यता है, जहां परंपराओं की निरंतरता दुनिया में अद्वितीय है। बहुत कम देशों में इतनी लंबी अवधि तक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं निरंतर बनी रहती हैं। प्रधानमंत्री कर्नाटक के मांड्या जिले में स्थित आदिचुंचनगिरि महासंस्थान

मठ में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने मिलकर 'सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्रम' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय समाज में समय-समय पर ऐसे महान संत और व्यक्तित्व जन्म लेते रहे हैं, जिन्होंने केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन ही नहीं दिया, बल्कि समाज के बीच रहकर लोगों के दुख-दर्द को समझा और उन्हें कठिनाइयों से बाहर निकलने का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि यही भारत की परंपरा और ताकत है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देशवासियों के सामने नौ प्रमुख आग्रह भी रखे। उन्होंने लोगों से जल संरक्षण को अपनाने और पानी के बेहतर प्रबंधन का संकल्प लेने का आह्वान किया। इसके साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर जन आंदोलन बनाना होगा। धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों, गांवों और शहरों में स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की बात कही। प्रधानमंत्री ने घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि देशवासियों को भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करनी चाहिए, ताकि देश की विविधता को समझा जा सके। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने का भी आग्रह किया। स्वास्थ्य के विषय में उन्होंने कहा कि मोटापा देश के सामने एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

आयातित सीएम-दान की सरकार, जै नीतीश कुमार

त्वरित टिप्पणी

अभयानंद शुक्ल

- लालू प्रसाद के चेले, नीतीश की छोड़ी हुई सरकार ने पूरा किया भाजपा का सपना
- पार्टी के मूल काडर में शायद लवकुश वाला नेता नहीं मिल पाया संघ-भाजपा को
- सरकार भाजपा की रहेगी, लेकिन नीतियां नीतीश कुमार सरकार की ही चलेंगी

लखनऊ। आयातित सीएम और दान में मिली सरकार को लेकर भाजपा का उत्साह देखने लायक है। पर लोग सवाल पूछ रहे हैं कि क्या भाजपा के मूल काडर में ऐसा कोई नेता नहीं था जो लवकुश समीकरण को साध सके। सवाल इसलिए उठाए जा रहे हैं क्योंकि सम्राट चौधरी न तो भाजपा मूल काडर के हैं, और न संघ की पृष्ठभूमि के हैं। ऐसे में बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का ये दावा सही प्रतीत होता है कि भाजपा में ऐसा कोई नेता दिखा जो लव कुश समीकरण साथ सके। इसीलिए लालू प्रसाद द्वारा ट्रेंड किए गए चेले को भाजपा ने बिहार का सीएम बनाया है। इसके अलावा बिहार में भाजपा का कई सालों का बनवास भी नीतीश कुमार की कृपा से समाप्त हुआ है, अन्यथा उनके एक विधायक बृजेंद्र यादव तो भाजपा का सीएम बनाने के फैसले के खिलाफ थे। पर वे नीतीश कुमार की वजह से शांत हो गए। यानी यहां भी नीतीश कुमार की कृपा बरसी और भाजपा को यह आधी-अधूरी खुशी मिली। और शायद इसीलिए ही शपथ ग्रहण समारोह में न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। समारोह में शिरकत करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और पूर्व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आए थे।

सूत्र बताते हैं कि अपना सीएम होने के बावजूद भाजपा बिहार में नीतीश कुमार की मानसिक गुलामी करती रहेगी। इसके संकेत नये डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि नयी सरकार भी नीतीश सरकार के कामों को आगे बढ़ाएगी। नये मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी कहते हैं कि मैने सरकार चलाना नीतीश कुमार से सीखा है, ऐसे में सरकार उनकी ही नीतियों पर चलती रहेगी।

उधर विपक्ष को ये बात अभी भी हजम नहीं हो रही है कि नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ दी है, उनका बीस साल का शासन हट गया है और सम्राट चौधरी की सरकार ने काम शुरू कर दिया है।

उधर भाजपा ने भी इस ऐतिहासिक

उपलब्धि पर कोई जश्न भी नहीं मनाया है। इस बदलाव को बहुत ज्यादा प्रचार नहीं दिया गया है। टीवी चैनलों पर भी भाजपा प्रवक्ता एक ही रट लगा रहे हैं कि नीतीश कुमार एनडीए के नेता हैं, और जो भी हो रहा है, उनकी मर्जी से हो रहा है। भाजपाइयों का तर्क है कि चूंकि उन्होंने केंद्र में काम करने की इच्छा जाहिर की है, इसी कारण उन्होंने पद छोड़ सम्राट चौधरी को कमान सौंपने पर सहमति दी है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा नहीं चाहती थी कि कहीं से भी ये मैसेज जाए कि भाजपा ने बिहार की सत्ता पर जबरन कब्जा कर लिया है। इस कारण दिल्ली से भी कोई बड़ा नेता नहीं आया, और जेपी नड्डा को भेजा गया।

वैसे भारतीय राजनीति के इतिहास में ऐसा कम हुआ है कि कोई सिटिंग सीएम अपने सहयोगी दल के लिए कुर्सी छोड़ दें। ऐसा तो मुलायम सिंह ने सुश्री मायावती के लिए नहीं किया, मायावती ने भी कल्याण सिंह के लिए नहीं किया। और उद्धव ठाकरे ने भी देवेंद्र फडणवीस के लिए त्याग नहीं किया, पर नीतीश कुमार ने कर दिखाया। पर इस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर है। वह बार-बार कह रहा है कि नीतीश की कोई कमजोरी भाजपा के पास है, और उसी का फायदा भाजपा उठा रही है। उनका आरोप है कि नीतीश कुमार ने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया है। वैसे अंदरखाने की खबर है कि जद यू के विधायक ब्रजेंद्र यादव, जो अब डिप्टी सीएम बन गए हैं, इसके खिलाफ थे। वे नहीं चाहते थे कि भाजपा को मुख्यमंत्री बनाने का मौका दिया जाए। खबर है कि जब इस पर मीटिंग हुई तो ब्रिजेंद्र यादव ने कहा था कि भाजपा का मुख्यमंत्री बनाने से अच्छा है कि हम विपक्ष में बैठें।

दूसरी ओर सम्राट चौधरी के बारे में राजद नेता तेजस्वी यादव का दावा है कि वे भी लालू प्रसाद की पाठशाला से निकले छात्र हैं। चूंकि भाजपा के मूल काडर में ऐसा कोई नेता नहीं था इसलिए बीजेपी को भी लालू प्रसाद की पाठशाला के ही छात्र का सहारा लेना पड़ा है। वैसे इस बदलाव पर तेजस्वी यादव का कहना है कि भाजपा ने नीतीश कुमार और बिहार की जनता को धोखा दिया है। उनका कहना है कि एनडीए 25 से 30 नीतीश के नारे पर चुनाव जीतकर आई थी, लेकिन बीच रास्ते में ही नीतीश कुमार को सत्ता से बाहर कर दिया गया, यह एक बड़ा धोखा है। उनका यह भी आरोप है कि अब बिहार की सरकार गुजरात से चलेगी। लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य ने भी कुछ ऐसा ही कमेंट किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता रामकृपाल यादव ने कहा कि इसमें तेजस्वी यादव को क्यों तकलीफ हो रही है, जो भी हो रहा नीतीश कुमार की मर्जी से हो रहा है।

जानकार कहते हैं कि यह बदलाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऐसा शायद इतिहास में पहली बार हो रहा है कि किसी दूसरे दल के नेता ने किसी दूसरे दल के नेता के लिए अपनी कुर्सी छोड़ दी है। और वह भी खुशी-खुशी। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए लेकिन इस तरह से शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन भारत के इतिहास में पहली बार देखा गया है।

वैसे अमित शाह ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान ही कह दिया था कि आप सम्राट चौधरी को भारी मतों से जिताइए, मोदी जी इनको बड़ा काम देने वाले हैं, इन्हें बडा आदमी बनाने वाले हैं। और 15 अप्रैल 2026 को अमित शाह की ये बात सच होती दिखाई दीं। अब सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। भाजपा के लिए यह अभूतपूर्व है। लोग कहने लगे हैं कि मोदी ने बिहार में नामुमकिन को मुमकिन कर दिया।

सम्राट चौधरी ने बिहार के 24 वे मुख्यमंत्री के रुप में ली शपथ

पटना। बिहार के नये मुख्यमंत्री के रुप में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राजग विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी ने पद और गोपनियता की शपथ ली। पटना के लोकभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने उन्हें शपथ दिलाई। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही बिहार में एक नए राजनीतिक दौर की शुरुआत हो गई है। उन्होंने राज्य में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

हर राज्य की मौजूदा लोकसभा सीट संख्या में 50 फीसदी तक होगा इजाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने परिसीमन के मुद्दे पर विपक्षी दलों की आलोचना के बीच स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राज्यों में लोकसभा सीटों का इजाफा वर्तमान का 50 प्रतिशत होगा।

विपक्षी दलों का कहना है कि जनसंख्या वृद्धि असमान होने के कारण राज्यों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिशत घट सकता है। खासकर दक्षिण भारतीय राज्यों ने इसपर आपत्ति

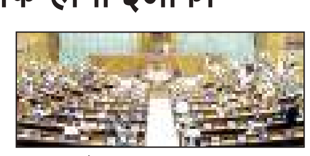

जतायी है जहां विपक्षी पार्टियों की सरकार है। इनके मुख्यमंत्रियों ने सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज कराया है।

महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या को बढ़ाने को लेकर सरकार कल से संसद की विशेष बैठक में विधेयक लाने जा रही है।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर 24 वर्ष पूर्व हमले के मामले में विधायक व एमएलसी सहित सभी आरोपित बरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 24 साल पूर्व जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह और उनके साथियों पर हुए प्राणघातक हमले के मामले में सभी आरोपितों को न्यायालय ने बुधवार को बरी कर दिया। इस मामले में विधायक अभय सिंह और एमएलस श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह सहित छह लोग आरोपित थे।

जिले की विशेष न्यायालय एमपी/एमएलए यजुवेंद्र विक्रम सिंह की ने अपने फैसले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह व चार अन्य व्यक्तियों पर अत्याधुनिक असलहों से जानलेवा

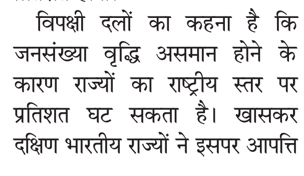

हमला मामले में आरोप साबित न होने पर संदेह का लाभ देते हुए आरोपित विधायक अभय सिंह, संजय सिंह रघुवंशी, सतेंद्र ऊर्फ बबलू सिंह, संदीप सिंह उर्फ पप्पू, विनोद सिंह और एमएलसी श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह को दोषमुक्त कर दिया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 4 अक्टूबर 2002 को जौनपुर के पूर्व सांसद व तत्कालीन रारी विधायक धनंजय सिंह अपने कुछ साथियों के साथ कार से अस्पताल में भर्ती अपने पारिवारिक सदस्य को देखकर शाम छह बजे वाराणसी से वापस जौनपुर लौट रहे थे। उनका काफिला जैसे ही नदेसर स्थित टकसाल सिनेमा हाल के पास पहुंचा। तभी वहां मौजूद कुछ लोगों ने उन अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी। बताया गया कि आत्मरक्षार्थ धनजय के गनर ने भी गोली चलाई । इसी दौरान मौके पर पुलिस भी पहुंचने पर फायरिंग करने वाले भाग गए। हमले में तत्कालीन विधायक धनंजय सिंह,गनर वासुदेव पांडेय, ड्राइवर दिनेश कुमार गुप्ता समेत अन्य लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने धनंजय सिंह और उसके साथियों को मलदहिया स्थित सिंह मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

रोशन-उद-दौला और छतर मंजिल के विकास से बदलेगा लखनऊ का पर्यटन स्वरूप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पर्यटन को नई उड़ान देने की तैयारी शुरू हो गई है। अपने दौर की ऐतिहासिक धरोहरों रोशन-उद-दौला भवन और छतर मंजिल अब सिर्फ दर्शनीय स्थल नहीं रहेंगे, बल्कि यहां आने वाले पर्यटक अवध की संस्कृति, विरासत और जीवनशैली का अनुभव भी प्राप्त कर सकेंगे। राजधानी में इन प्रतिष्ठित इमारतों को नए और आकर्षक स्वरूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जारी बयान में बताया कि 'कैबिनेट से हरी झंडी मिलते ही अब इन दोनों प्रोजेक्ट्स को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत 'एडेप्टिव रियूज़' मॉडल पर विकसित किया जाएगा। खास बात ये है कि इसमें धरोहरों की ऐतिहासिक पहचान और मूल स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जाएगा, ताकि ये स्थल पर्यटन के नए आकर्षण केंद्र बन सकें। छतर मंजिल को 100 कमरों का एक भव्य हेरिटेज होटल के रूप में विकसित करने की योजना है। यहां ठहरने के साथ-साथ पर्यटकों को लखनऊ की कला, संस्कृति और खानपान का अनुभव भी मिलेगा। प्रोजेक्ट के तहत ऑल-डे डाइनिंग रेस्तरां, स्थानीय शिल्प और डिजाइनर उत्पादों की रिटेल आर्केड तथा इमर्सिव डाइनिंग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसका उद्देश्य इस ऐतिहासिक इमारत को एक जीवंत सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। वहीं रोशन-उद-दौला भवन को बुटीक लग्जरी प्रॉपर्टी के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां 26 कमरों का लग्जरी होटल, छोटे और विशेष आयोजनों जैसे प्री-वेडिंग फंक्शन, पारिवारिक कार्यक्रम और कॉर्पोरेट मीटिंग के लिए सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही स्पा और पारंपरिक वेलनेस सेवाएँ भी दी जाएंगी। खानपान में उत्तर प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों को प्रमुखता दी जाएगी, जिससे लखनऊ की 'गैस्ट्रोनॉमी सिटी' की पहचान और मजबूत हो सके। पर्यटन विकास की इस पहल को अब स्थानीय आजीविका से भी जोड़ा जा रहा है। हरौनी गांव की महिलाओं को हस्तकला, साड़ी और कंबल जैसे पारंपरिक उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का मौका मिलेगा, जिससे उनकी आय बढ़ने के साथ-साथ स्थानीय कला और कारीगरों को भी पहचान मिलेगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 'सरकार का लक्ष्य पर्यटन विभाग द्वारा लखनऊ की धरोहरों को और अधिक सुलभ और आकर्षक बनाना है। उन्होंने कहा कि शहर अब तेजी से अपने पर्यटन दायरे को बढ़ा रहा है और आने वाले समय में यहां पर्यटकों को और बेहतर अनुभव मिलेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि, लखनऊ सिर्फ हजरतगंज और अमीनाबाद तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शहर में पर्यटन की संभावनाएं बढ़ रही हैं। रोशन-उद-दौला और छतर मंजिल के विकास के साथ अन्य परियोजनाएं भी मिलकर लखनऊ को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भाजपा ने निकाली वाहन रैली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा लखनऊ महानगर की ओर से बुधवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर 1090 चौराहे से विधानसभा तक स्कूटी रैली निकाली गयी। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष गीता शाक्य और भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। सैकड़ों की संख्या में रैली में शामिल महिलाओं के हाथों में नारी को मिलेगा अधिकार, धन्यवाद मोदी सरकार और सशक्त नारी सशक्त भारत का पोस्टर भी लिए हुए थीं। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष गीता शाक्य ने इस अवसर पर कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला ऐतिहासिक कदम है जो उन्हें सिर्फ लाभार्थीसे निर्णयकर्ता बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव लाएगा। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मीडिया प्रभारी चेतना पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा लोकसभा क्षेत्रों में 'नारी शक्ति पदयात्रा' निकाली जाएगी, जिसमें सामाजिक क्षेत्र की महिलाएं और 'लखपति दीदी' भाग लेंगी।

महिला आरक्षण के नाम पर ये जल्दीबाज़ी बता रही है कि अब भाजपा जा रही है : अखिलेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण को लेकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस बिल को लाने की जल्दबाजी बता रही है कि भाजपा जा रही है। उन्होंने भाजपा पर जनगणना टालने की बात कही। सपा नेता अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर बुधवार को एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने महिला आरक्षण को भाजपा की जल्दबाज़ी से जोड़ते हुए निशाना साधा। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि भाजपा जनगणना को टालना चाहती है क्योंकि जनगणना होगी तो जातिगत जनगणना की भी बात उठेगी और फिर आरक्षण की भी, जो भाजपा नहीं चाहती है। भाजपा को ये भी अच्छी तरह याद है कि 'पीडीए' में 'ए' का मतलब 'आधी आबादी' अर्थात महिला भी है। ये बिल पीडीए का हक़-अधिकार मारने की एक बड़ी साज़िश का हिस्सा है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि एक बड़ा चुनावी सच ये भी है कि भाजपा की चुनावी घपलेबाजी का अब पूरी तरह से भंडाफोड़ हो गया है। 'पीडीए प्रहरी' एक विचार की तरह हर प्रदेश और हर दल ने स्वीकार कर लिया है। भाजपा पर चौकन्नी नज़र रखी जा रही है, इसीलिए अब भाजपा को चुनावी हेराफ़ेरी का कोई और मौका आसानी से नहीं मिलेगा और सच्चे वोट ही, चुनाव का सच्चा नतीजा तय करेंगे। अब हर तरह से भाजपा की कलई खुल गयी है, इसीलिए उसके समर्थक और वोटरों का अकाल पड़ गया है। भाजपा निराशा के इस दौर से उबरने के लिए ये बिल (महिला आरक्षण) ला रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की यही राजनीतिक चाल रहती है। जब पुराने लोग ये समझ जाते हैं कि भाजपा किसी की सगी नहीं है तो हर बार भाजपा कुछ नये लोगों को अपने लुभावने जुमलों में फंसाती है। इस बार भाजपा महिलाओं को लेकर ये पुरानी चाल चल रही है, लेकिन सफल नहीं होगी, क्योंकि भाजपा राज में सबसे ज़्यादा दुखी तो महिलाएं ही हैं। भाजपा की कमीशनखोरी व चंदा वसूली की वजह से जो महंगाई बढ़ी है उससे उनकी रसोई सूनी हो गयी है। रही-सही कसर सिलेंडर की बेतहाशा बढ़ती क़ीमतों ने पूरी कर दी है। उन्होंने कहा कि हर महिला अपने बच्चों को पढ़ाना चाहती है, लेकिन भाजपा की शिक्षा विरोधी सोच तो सरकारी स्कूल तक बंद करवा दे रही है। महिलाओं का दर्द क्या होता है ये मेरठ के दुकानदारों के परिवार की महिलाओं की आँखों में आए आँसू भी बयां कर रहे हैं और नोएडा की मजदूर और मेड के रूँधे गले के बयान भी। अगर ये बिल इतना ही सही है तो इसे मेरठ-नोएडा की पारिवारिक और कामगार महिलाओं के बीच बैठकर घोषित किया जाए।

शोरूम और रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आशियाना क्षेत्र में बुधवार (15 अप्रैल) को मोती महल रेस्टोरेंट और गीतांजलि शोरूम में एसी ब्लास्ट होने से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज लपटें उठती देख मौके पर भारी भीड़ जुट गई और लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आशियाना के पावर हाउस चौराहे के पास विवेक प्लाजा में मोती महल रेस्टोरेंट और गीतांजलि शोरूम है।

बेकाबू ट्रक घर में घुसा लाखों का सामान दबा बाल–बाल बचा परिवार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अनीपुर गांव में बुधवार सुबह एक अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे स्थित एक मकान में जा घुसा। इस हादसे में मकान का बड़ा हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना सुबह करीब 10.30 बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, केसरीपुर निवासी ट्रक चालक सराफत सस्पन की ओर से रहीमाबाद की तरफ जा रहा था। अनीपुर गांव के पास पहुंचते ही उसने ट्रक पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन सीधे महेंद्र उर्फ टीटू के घर की दीवारें तोड़ते हुए अंदर घुस गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घर की दीवारें ढह गईं और अंदर रखा सारा कीमती सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय घर के सदस्य उस हिस्से में मौजूद नहीं थे, जहां ट्रक घुसा। इस वजह से एक बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। ग्रामीणों ने बताया कि यदि कोई वहां मौजूद होता तो परिणाम गंभीर हो सकते थे।

नैमिषारण्य मथुरा रेल जोड़ो अभियान समिति की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नैमिषारण्य को देश/प्रदेश के तीर्थों, पर्यटन केन्द्रों को रेल यातायात से जोड़े जाने हेतु 2 वर्ष से चलाये जा रहे अभियान को गति प्रदान करने हेतु कल 14 अप्रैल को नैमिषारण्य मथुरा रेल जोड़ो अभियान समिति की कार्यकारिणी बैठक लखनऊ में सम्पन्न हुयी। समिति के अध्यक्ष डा0एस0आर0 सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। निर्णयों की जानकारी देते हुए समिति के महासचिव अजयपाल सिंह सोमवंशी ने बताया कि समिति के सदस्य 15 मई के बाद दिल्ली जाकर मा0 रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह, रेलमंत्री श्री अश्वनी वैष्णव से भेटकर पूर्व में प्रेषित प्रस्ताव, नैमिष से फर्रूखाबाद तक मात्र 112 कि0मी0 नयी रेल लाइन बिछाकर नैमिषधाम को देश प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों से जोड़ने की माँग से उन्हें अवगत करायेगी। इसी दौरान समिति के सदस्य नैमिष से मथुरा तक के रेलमार्ग में पड़ने वाले संसदीय क्षेत्रों के मा0 सासदों/विधायकों से भी मिलकर उनसे सहयोग मागेगी। समिति ने यह भी फैसला किया है कि नैमिष, हरदोई फर्रूखाबाद मथुरा के सभी धार्मिक स्थलों पर बैनर और पोस्टर तथा कारों में स्टीकर लगाकर प्रदेश की जनता को इस प्रस्ताव के लाभों से अवगत कराएगी कि मात्र 112 कि0मी0 नयी रेल लाइन बिछाने देश भर को तीर्थ स्थल तो सीधे रेल मार्ग से जुड़ेंगे ही उ0प्र0 के 15 जिलो की 4.50 करोड़ जनता जो जिले में रेल लाइन होने पर भी सीमावर्ती जिलों में आपस में एक दूसरे जिले में रेल द्धारा आ जा नही सकती उन्हें इस रेलखण्ड के जुड़ने पर स्वतः सुगम और सस्ता रेल मार्ग मिल जायेगा। समिति ने फैसला लिया है कि प्रदेश के जनपदों में पूर्व से आम नागरिकों द्धारा हस्ताक्षरित पत्र मा0 प्रधान मंत्री एवं रेलमंत्री को भेजे जाने का अभियान और तेज किया जायेगा। अबतक 7284 नागरिकों द्धारा पत्र भेजा जा चुका है। प्रस्ताव की स्वीकृति न मिलने पर शीघ्र नैमिष में सन्त/महन्तों के साथ बैठक कर वहाँ पर सभा कर अपनी माँग बुलन्द करेगी तथा अक्टूबर में पदयात्रा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। समिति के वर्ष 2025-2026 के आय-व्यय का भी अनुमोदन प्रदान किया। बैठक में श्री राम अधार पाण्डे, जगदीश प्रसाद वर्मा, गिरीश कुमार वर्मा, एस0पी0 दुबे, राजू कनौजिया, राज कुमार सिंह सोमवंशी, निखिल सक्सेना, जी0सी0 शुक्ला एवं सुरेन्द्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

फंदे से लटकता मिला महिला का शव, मायके वाले बोले, हत्या हुई

लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव घर में फंदे से लटकता मिला। मायकेवालों ने ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है। जांच में सामने आया है कि शादी के 6 साल महिला को बच्चा नहीं हुआ था। जिससे वो तनाव में रहती थी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि सभी एंगल से जांच की जा रही है। घटना मंगलवार रात नन्दौली गांव की है। महिला की पहचान 25 साल की रूबी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान रूबी (पत्नी सूरज रावत) के रूप में हुई है। बताया गया कि मंगलवार शाम उनके पति सूरज रावत पास के गांव जमुरिया में एक शादी कार्यक्रम में लकड़ी काटने के काम से गए थे। उस समय रूबी अपने सास-ससुर के साथ घर पर थी। रात करीब 9.30 बजे पति सूरज ने फोन पर रूबी से बात की थी।

महिलाओं के आरक्षण की बात भाजपा का ढकोसला : अजय राय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कंग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को आने वाले महिला आरक्षण पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा लाया जाना वाला महिला आरक्षण बिल सिर्फ ढकोसला है। अजय राय ने प्रेस कॉन्फेंस में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही महिलाओं को सम्मान देती रही है। सबसे पहले सरोजिनी नायडू को उत्तर प्रदेश का राज्यपाल तथा सुचित्रा कृपलानी को प्रदेश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर प्रदान किया। फिर इंदिरा गांधी देश के प्रधानमंत्री बनी। उसके बाद प्रतिभा ताई पाटिल को देश का राष्ट्रपति बनाया और बाबू जगजीवन राम की पुत्री मीरा कुमार को लोकसभा का अध्यक्ष बनाया। श्री राय ने कहा कि नोएडा में जो घटना घटी है वह बताती है कि सरकार पूरी तरह से शासन चलाने में अयोग्य साबित हुई है और इस मुद्दे पर निर्णय लेने में असफल साबित हुई है। इसका परिणाम है कि नोएडा में आज कई लोग घायल हैं और जिन लोगों पर पुलिस ने बर्बर लाठीचार्ज किया, उन्हीं को गिरफ्तार कर लिया है। कांग्रेस सरकार के समय लोगों को स्थाई नौकरियां दी जाती थी दूसरों की सरकार आने पर संविदा नौकरियां दी जाने लगी। भाजपा की सरकार में आउटसोर्सिंग के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी के रूप में नौकरियां दी जा रही है। जिसमें एक तरफ नौकरी सुरक्षित नहीं है दूसरी तरफ कम वेतन दिया जाता है और तीसरी तरफ वेतन का बड़ा हिस्सा आउटसोर्सिंग का ठेकेदार खा जाता है। श्री राय ने 1 से 8वीं कक्षा तक ऐसे शिक्षकों को जो 25-30 सालों से पढ़ा रहे हैं के लिए टेट की परीक्षा अनिवार्य करने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि टेट की परीक्षा जुलाई 2011 से लागू हुई है इसलिए प्रदेश के 1 लाख 75 हजार शिक्षक जिनकी नौकरी इस नियम के कारण खतरे में आ गई है। कंाग्रेस पार्टी पूरी ताकत से उनके साथ खड़ी है। किसी भी हालत में किसी भी शिक्षक की नौकरी समाप्त नहीं होने दी जाएगी और यदि समाप्त होती है तो कंाग्रेस सरकार बनने पर उनको पुनः सेवा मे बहाल किया जाएगा।

संतानहीनता से दुखी महिला ने की आत्महत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के निगोहा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक महिला ने फंासी लगाकर आत्महत्या कर ली। खुद्कुशी का कारण यह सामने आया है कि शादी के सात साल बीत जाने के बाद भी महिला निःसंतान थी। इस गहरे सदमे में आकर उसने यह कदम उठा लिया। बुधवार सुबह घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। थानाध्यक्ष अनुज तिवारी ने बताया कि बुधवार को ग्राम प्रधान से सूचना मिली कि ग्राम नन्दौली में रहने वाले सूरज रावत की पत्नी रूबी (25) ने फंासी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर तत्काल थाना स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पति ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 5-6 वर्ष पूर्व हुई थी। शादी के बाद से वह उसे कोई संतान नहीं हुई। इस बात से वह पिछले कई दिनों से सदमें में चल रही थी। मंगलवार शाम को वह शादी कार्यक्रम में लकड़ी काटने के लिए ग्राम जमौलिया गया था। देर रात जब वह घर पहुंचा तो उसने पत्नी का शव घर के बरामदे में पंखे से लटका हुआ देखा। घटना की जानकारी पर सभी परिजन एकत्र हो गये। थाना प्रभारी ने बताया कि विवाह की अवधि 07 वर्ष से कम होने के कारण मजिस्ट्रेट द्वारा पंचायतनामा की कार्यवाही कराई गई है। मृतका के मायके पक्ष के परिजन भी उपस्थित हैं। किसी भी पक्ष से तहरीर प्राप्त होने पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

बीबीएयू परिसर में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आधुनिक चार्जिंग स्टेशन की हुई स्थापना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आधुनिक चार्जिंग स्टेशन की स्थापना की है। यह चार्जिंग स्टेशन विश्वविद्यालय के गेट संख्या एक के निकट स्थित सोलर पार्किंग क्षेत्र में इजी चार्ज इंडिया के सहयोग से स्थापित किया गया है, जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव नवाचार और सतत विकास लक्ष्यों को ध्यान में रखकर कार्य करने की दिशा में प्रतिबद्ध रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह हमारे विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इससे विद्यार्थियों में स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, उन्हें आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों से जुड़ने का अवसर मिलेगा तथा वे भविष्य के सतत परिवहन मॉडल को समझने और अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। यह पहल कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के अंतर्गत की गई है, जबकि आवश्यक सिविल एवं विद्युत अवसंरचना का विकास विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग सेक्शन द्वारा सफलतापूर्वक किया गया है। इस अत्याधुनिक सुविधा के माध्यम से परिसर में आने वाले इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ताओं को सहज, सुरक्षित एवं त्वरित चार्जिंग सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

मायावती ने किया महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन, कांग्रेस को घेरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लोकसभा और राज्यसभा में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के प्रस्ताव पर अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ये काफी लंबा इंतजार हुआ, लेकिन हम इसका स्वागत करते है। बसपा प्रमुख मायावती बुधवार को एक यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यदि एससी–एसटी एवं ओबीसी समाज के हित व कल्याण के मामले में पार्टी की सुझाव की तरफ सरकार ध्यान देती तो यह बेहतर होगा। उन्होंने कंाग्रेस-सपा पर हमला भी बोला है। उन्होंने कहा कि बसपा के बेस वोट, दलितों को लुभावने के लिए पिछले कुछ समय से विरोधी दल कार्यक्रमों में नीले रंग के कपड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे दलितों पर कुछ भी असर पड़ने वाला नहीं है, क्योंकि इन पर केवल बसपा के नीले रंग का ही असर पड़ता है। अन्य किसी और रंग का नहीं, यह विरोधियों को ध्यान में रखकर चलना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि वास्तव में महिला आरक्षण की असली हकदार शोषित व उपेक्षित वर्गों में खासकर सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक रूप से लगातार पछाड़े जा रहे एससी–एसटी ओबीसी समाज की महिलाओं को, यदि इसमें अलग से व्यवस्था की जाती तो यह उचित होता। ऐसा नहीं होने से इन वर्गों की महिलाओं को आरक्षण का पूरा लाभ मिल क्या मिल पाएगा। इसमें लोगों काफी संदेह है और महिला आरक्षण के वास्तविक उद्देश्य को काफी हद तक नकारने जैसा है। बसपा प्रमुख ने कहा कि महिला आरक्षण को राजनीतिक स्वार्थ के बजाए महिला सुरक्षा, सम्मान व उत्थान से आदि से जोड़कर देखना चाहिए, तभी इसका सही लाभ मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि यहां ज्यादातर मामलों में सांमती व जातिवादी तत्वों के हावी होने के कारण देश की महिलाओं को जिंदगी के हर पहलू में बराबरी व आत्मसम्मान का हक देने के साथ 'हिंदू कोड बिल' लाकर भी इन्हें जबरदस्त कानूनी अधिकार भी देना चाहा था, जिससे केंद्र की तत्कालीन कंाग्रेस सरकार ने अपने संकीर्ण जातिवाद के प्रभाव में आकर वादाखिलाफी करते हुए नहीं माना और बाद में इसे टुकड़ों–टूकड़ों में पास किया। ओबीसी समाज को आरक्षण और महिलाओं को सुरक्षा सम्मान सुनिश्चित करने के मामले में ठोस कदम न उठाने के विरोध में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को अपने कानूनमंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। मायावती ने कहा कि इससे पूर्व महात्मा ज्योतिबा फुले और उनकी पत्नी सवित्री बाई फुले के ऐतिहासिक योगदान को कौन भुला सकता है। उन्होंने अनेक प्रकार की जातिवादी उत्पीड़न को झेलते हुए अपनी पत्नी व आसपास की महिलाओं को शिक्षा के अलंकार से सम्मानित व नारी शक्ति को प्रोत्साहित किया। बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि अब जब महिलाओं की देश की संसद लोकसभा व राज्यसभाओं में आरक्षण की बात आगे बढ़ रही है तो इसमें किसी भी प्रकार की अड़चन पैदा करना उचित नहीं है।

कंाग्रेस ने इस मुद्दे पर काफी अनदेखी की थी तो अब इन्हें क्यों याद आ रही है। बसपा का कहना है कि महिलाओं की दयनीय स्थिति को देखते हुए बेहतर यही है कि महिला आरक्षण को संकीर्ण दलगत राजनीति से दूर रखते हुए इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए।

महिलाओं की स्कूटी रैली में गूँजा नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन

स्कूटी रैली को रवाना करती जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती व भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह 'बब्बन' फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार आगामी 16 से 18 अप्रैल तक संसद के विशेष सत्र में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित कराने जा रही है। इस अधिनियम के तहत महिलाओं को राजनीति में 33 प्रतिशत आरक्षण कानूनी रूप से अधिकारपूर्वक देने का प्रावधान है। सरकार के इस निर्णय का व्यापक स्तर पर स्वागत किया जा रहा है।

इसी कड़ी में हिरण्यकश्यप की नगरी हरदोई में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती व भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह 'बब्बन' की उपस्थिति में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के स्वागत में समाज की महिलाओं ने बाल विद्या भवन में एकजुट होकर पद यात्रा निकालते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान ही नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने हस्ताक्षर कर इस ऐतिहासिक पहल के प्रति समर्थन जताया। महिलाओं ने उम्मीद जताई कि यह बिल महिला सशक्तिकरण

■ पदयात्रा व हस्ताक्षर अभियान से दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

की दिशा में एक महत्वपूर्ण जनभावना का प्रतीक बनकर उभरेगा। कार्यक्रम का संयोजन पूर्व जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह एवं अभय दीक्षित ने किया! कार्यक्रम में अभियान के जिला संयोजक सौरभ सिंह गौर भी मौजूद रहे। वही नगर के बाल विद्या भवन स्कूल से नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में स्कूटी और बाइक रैली का आयोजन हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा जिलाध्यक्ष सहित बाल विद्या भवन की प्रबंधक कीर्ति सिंह ने हरी झंडी दिखाते हुए रैली को रवाना किया। स्कूटी रैली में महिलाओं ने नगर के मुख्य मार्गों का भ्रमण किया। पूरे मार्ग में महिलाओं ने हाथों में तख्तियां और नारों के जरिए महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह निर्णय न केवल राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाएगा, बल्कि समाज में महिलाओं की भूमिका को भी और अधिक मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति

वंदन अधिनियम महिलाओं को राजनीति सहित अन्य क्षेत्रों में सशक्त भागीदारी प्रदान करने की दिशा में एक मील का पत्थर है। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम कानून के माध्यम से लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका और अधिक मजबूत होगी। वही जनपद की सातों नगर पालिका में स्कूटीध्बाइक रैली का आयोजन किया गया। शाहाबाद मे मुख्य अतिथि के रूप मे उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, संडीला मे विधायक अलका अर्कवंशीए पिहानी मे विधायक श्याम प्रकाश ने रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अलका गुप्ता, जिला मंत्री नीतू चंद्रा, नगर उपाध्यक्ष बॉबी उमर, अनुपमा मिश्रा, अनुराधा मिश्रा, शोभना सिंह, विनीता पांडेय, निधि सिंह, जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, मीडिया प्रभारी अतुल सिंह, आईटी संयोजक प्रद्युम्न मिश्रा, सोशल मीडिया संयोजक अनुराग श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष मुदित बाजपेई, पंकज सिंह, ऋषभ त्रिपाठी, रामजी गुप्ताए रानू सिंह, अनुज मिश्रा एवं भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं।

संविधान निर्माता को नमनः एमएलसी ने किया विशेष सम्पर्क अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। भारत रत्न व संविधान निर्माता डॉ० भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विधान परिषद सदस्य व याचिका समिति के सभापति अशोक अग्रवाल ने विकास खंड के गांव गोहरैया मजरा उत्तरघईया पहुंच कर विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया! कार्यक्रम का शुभारम्भ एमएलसी द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया! इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और बाबा साहब के विचारों को जन जन तक पहुंचाने का काम किया! ग्रामीणों ने एमएलसी का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया और उन्हें बाबा साहब का चित्र भेंट किया!

बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते एमएलसी अशोक अग्रवाल

अभियान के दौरान एमएलसी ने कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष समानता और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है! उन्होंने समाज के हर वर्ग को शिक्षा संगठन और संघर्ष का संदेश दिया जो आज भी उतना प्रासंगिक है! उन्होंने लोगों से अपील की कि वह बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर समाज में समरसता और भाईचारे को मजबूत करें! इस मौके पर

एमएलसी ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए! कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश कार्य समिति सदस्य भाजयुमो संचित अग्रवाल मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह मंडल उपाध्यक्ष सौरभ सिंह मुकेश सिंह बबलू सिंह गौतम कनौजिया सत्यम सिंह नरेंद्र सिंह सहित कई पार्टी पदाधिकारी जनप्रतिनिधि व अन्य गणमान्य लोगों ने पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया!

महिला स्कूटी रैली को झंडी दिखाकर मंत्री ने रवाना किया

स्कूटी रैली को झंडी दिखाकर रवाना करती रजनी तिवारी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री एवं शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक रजनी तिवारी ने महिला महाविद्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद स्टेशन मार्ग से ही महिला स्कूटी रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तत्पश्चात यह रैली गढ़ी, बस स्टैंड, ब्लाक चौराहा, नवीन मंडी स्थल, अल्लाहपुर तिराहा, सरायं दरवाजा होते हुए कन्या इंटर कॉलेज नगर पालिका परिषद पहुंची जहां पर स्कूटी रैली का समापन किया गया। स्कूटी रैली नारी शक्ति बंधन अधिनियम पास होने के उपलक्ष्य में महिला शाखा द्वारा आयोजित की गई थी।

इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटू, आनंद गुप्ता, अंकित गुप्ता, सुभाष रस्तोगी, सत्येंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

राजकीय महिला महाविद्यालय का उच्च शिक्षा मंत्री ने भूमि पूजन किया

राजकीय महिला महाविद्यालय का भूमि पूजन करती उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, कार्यक्रम को संबोधित करती उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने बुधवार को दोपहर स्टेशन मार्ग पर राजकीय महिला महाविद्यालय का पूजन किया और जल्द ही इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना करवाने का बड़ा संकल्प लिया। उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्टेशन मार्ग स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची। उन्होंने यहां पर पुरोहित द्वारा विधि विधान से कराए गए भूमि पूजन का कार्यक्रम संपन्न किया। तत्पश्चात उन्होंने क्षेत्र वासियों को संबोधित करते हुए कहा उन्होंने अपने क्षेत्र वासियों की हर समस्या का निदान और हर मांग को पूरा करने का काम किया है। उन्होंने कहा महिला महाविद्यालय का भूमि पूजन जनपद का पहला महिला महाविद्यालय होगा। यह गौरव शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र को प्राप्त हो रहा है । उन्होंने बताया जल्द ही शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र वासियों की मांग पर इंजीनियरिंग कॉलेज का भूमि पूजन भी करेंगी। उन्होंने अपनी उपलब्धियां को गिनाते हुए कहा रेलवे स्टेशन के ओवर ब्रिज के साथ-साथ सीएचसी में ऑक्सीजन प्लांट, हेल्थ एटीएम सहित तमाम विकास कार्य किए हैं और दर्जनों की संख्या में उन्होंने क्षेत्र में बेहतरीन सड़कों का निर्माण करवाया। उन्होंने कहा महिला महाविद्यालय की स्थापना से यहां की बेटियों को उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने में जो दिक्कतें आती थी वह दिक्कतें अब समाप्त हो जाएंगी। उन्होंने बताया एसडीएम शाहाबाद द्वारा कई स्थानों पर जगह की तलाश की गई लेकिन सबसे अच्छी जगह पर वह आज भूमि पूजन कर रही हैं। सुरक्षा की दृष्टि से भी एवं अन्य सुविधाओं की दृष्टि से भी यह जगह काफी मुफीद है। उन्होंने एक अन्य विकास कार्य की लिए लोगों को असमंजस में डालकर कहा कि वह जल्द ही अपने क्षेत्र को एक और बड़ी सौगात देने वाली है ईश्वर ने चाहा तो जल्द ही यह सौगात भी मिल जाएगी लेकिन इस सौगात का वह अभी नाम नहीं बताएंगी। उच्च शिक्षा मंत्री की इस घोषणा के बाद पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उन्होंने नारी शक्ति बंधन अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा यह अधिनियम महिलाओं के हक दिलाने का अधिनियम है। केंद्र सरकार ने इस अधिनियम को पास करके महिलाओं का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने मोदी जी का धन्यवाद करने के लिए सभी क्षेत्रवासियों को एक नंबर डायल कर धन्यवाद देने की अपील भी की। इस मौके पर एसडीएम अंकित तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण, गन्ना समिति हरदोई के अध्यक्ष रंजीत सिंह, जिला पंचायत सदस्य लाला राम राजपूत, भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटू, आनंद गुप्ता, अंकित गुप्ता, सुभाष रस्तोगी आदि सहित बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

200 गोवंश, एक टीन शेड, अलावलपुर गौशाला में सच छुपाने की कोशिश

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ग्राम अलावलपुर मजरा गाड़ीपुरा के गौशाला से सामने आई तस्वीरें व्यवस्थाओं की पोल खोलती नजर आ रही हैं। करीब 200 से अधिक गोवंश मौजूद हैं, लेकिन छाया के नाम पर महज एक टीन शेड ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि आखिर इतने जानवर भीषण गर्मी में राहत कैसे पा रहे हैं? मौके से मिली जानकारी और फोटो संकेत देते हैं कि अधिकांश गोवंश खुले में तेज धूप झेलने को मजबूर हैं। एक छोटे से टीन के नीचे कुछ ही जानवर सिमटे दिखाई देते हैं, जबकि बाकी खुले आसमान के नीचे खड़े हैं। यह स्थिति गोवंशों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब ग्राम उतरे स्थित गौशाला में अमृत विचार के पत्रकार पहुंचेए तो ग्रामीणों ने बताया कि उतरे गांव के गौवंश को गाड़ीपुरा गांव की गौशाला में शिफ्ट कर दिया गया है। इसी संबंध में जब पत्रकार साथियों ने ग्राम गाड़ीपुरा मजरा अलावलपुर के ग्राम प्रधान से फोन पर बात करने का प्रयास किया और गाड़ी पुरवा गौशाला के गोवंशों के शिफ्ट किए जाने को लेकर जानकारी चाहीए तो बताया जाता है कि प्रधान ने सख्त तेवर अपनाते हुए न केवल स्पष्ट जानकारी देने से परहेज कियाए बल्कि मौके पर स्थिति का जायजा लेने से भी मना कर दिया।सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि गौशाला की वास्तविक स्थिति जानने के लिए जब पत्रकार या स्थानीय लोग अंदर जाने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें गेट पर ही रोक दिया जाता है और अधिकारियों का हवाला दिया जाता है। यदि व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं, तो फिर अंदर जाने से परहेज क्यों? गौशाला ग्राम पंचायत के अधीन संचालित होती है, ऐसे में ग्राम प्रधान की जिम्मेदारी भी सवालों के घेरे में है। स्थानीय लोगों का कहना है कि व्यवस्थाओं में सुधार की सख्त जरूरत है, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से गंभीरता नहीं दिखाई दे रही। पत्रकार ही लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, और यदि उन्हें ही सच्चाई तक पहुंचने से रोका जाएगा, तो फिर गोवंशों की समस्याएं उजागर कैसे होंगी? यदि स्वतंत्र रूप से जांच और निरीक्षण की अनुमति दी जाए, तो इस गौशाला से जुड़े और भी बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को संज्ञान में लेकर सुधार करते हैं या फिर यह मामला यूं ही सवालों के घेरे में बना रहेगा।

गिरफ्तार हुआ शिल्पी का हत्यारा

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली मल्लावां के क्षेत्र अंतर्गत बीती 13 अप्रैल को ग्राम गढ़ी रसूलपुर में समय लगभग ०5:00 बजे शाम को गांव का ही ऋषभ पुत्र प्रमोद कुमार द्वारा शिल्पी को काफी दिनों से प्रेम जाल में फंसा कर परेशान कर रहा था। इसी के चलते आपस में दोनों की तकरार एवं मुकदमा बाजी भी हुई। इसके बावजूद ऋषभ ने 13 अप्रैल शाम को शिल्पी को मौत के घाट उतार दिया शिल्पी के माता-पिता मौके पर नहीं थे । चाची ने बचाने का प्रयास किया लेकिन दहशत की वजह से चाची भी नाकाम हो गई। शिल्पी की हत्या होने के बाद मौके पर पुलिस बल का तांता लगा रहा लेकिन मृतक के परिजन भी अपनी जिद पर अड़े रहे कि जब तक अभियुक्त के घर पर बुलडोजर नहीं चलेगा उसका एनकाउंटर नहीं होगा तब तक डेड बॉडी को पीएम के लिए नहीं जाने देंगे लेकिन प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत पांडेय ने बड़ी ही सूझबूझ के साथ मृतक के पिता राम रहीस को समझाया और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया अंततः शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने मौका स्थिति को गंभीर देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सुबोध कुमार गौतम के नेतृत्व में तीन टीमों का गठन किया और तत्काल अभियुक्त को गिरफ्तार करने का आदेश दिया जिस पर रूपये 5000 का इनाम भी रखा गया। इस टीम में प्रभारी निरीक्षक मल्लावां शिवाकांत पांडेय क्षेत्राधिकारी बिलग्राम रवि प्रकाश सिंह अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सुबोध कुमार गौतम के प्रयास से 24 घंटे के अंदर अभियुक्त ऋषभ को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। वहीं पीड़ित की हर संभव मदद करने के लिए आश्वासन दिया गया। गिरफ्तारी होने की खबर सुनते ही ग्राम गढ़ी रसूलपुर में शांति व्यवस्था कायम है। फिलहाल पुलिस बल अपनी सक्रियता से गांव में अभी भी शांति व्यवस्था बनाए हैं।

■ अभियुक्त ऋषभ पर पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार रुपए का इनाम किया था घोषित।

श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई अंबेडकर जयंती, महिलाओं को भेंट की उपहार

महिलाओं को उपहार भेंट करती समाज सेविका शालिनी सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

साण्डी (हरदोई)। विकासखंड के बरनई गांव में कृष्णा कुमारी सेवा संस्थान की संचालिका व समाजसेविका शालिनी सिंह द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ० भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई! कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए जिसमें महिलाओं की विशेष भागीदारी रही!

कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि के साथ श्रद्धांजलि अर्पित कर हुआ! कार्यक्रम में केक काटकर लोगों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराया! इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके जीवन संघर्ष एवं आदर्शों को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया! कार्यक्रम के दौरान समाज सेविका द्वारा उपस्थित महिलाओं को उपहार भी भेंट किए गए! कार्यक्रम के अवसर पर समाज सेविका ने कहा कि डॉ० अंबेडकर ने समाज के कमजोर और वंचित वर्ग के लोगों को उनके अधिकार दिलाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया और शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया! उन्होंने कहा कि बाबा साहब के आदर्श आज भी उनके लिए प्रासंगिक हैं! उन्होंने महिलाओं को शिक्षित जागरूक और आत्मनिर्भर बनने का संदेश देते हुए कहा जब तक महिलाएं सशक्त नहीं होगी तब तक समाज का समुचित विकास संभव नहीं है! सम्मान स्वरूप उपहार पाकर महिलाओं का उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला साथ ही बच्चों और युवाओं को भी शिक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया! कार्यक्रम के इस अवसर पर मुख्य रूप से रामासरे घुरई उमेश शंकर रामा राम लड़ईती भूरा भजनी भीम सोनू लालू नरेश भोले शंकर कन्हैया बख्श रघुनंदन शैलेंद्र सत्यवीर रामपाल चौहान किरण स्वीटी संगीता रानी सूरज वेदना आदेश शाहिद बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे!

शिक्षक व अभिवावक बच्चों के नामांकन पर दे जोरः डॉ0 सुनील कुमार

■ न्याय पंचायत बमटापुर में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत निकली गई जागरुकता रैली

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विकास खण्ड सांडी की न्याय पंचायत बमटापुर में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत जागरूकता रैली का शुभारम्भ किया गया। रैली में क्षेत्र के बेसिक विद्यालयों के शिक्षकए छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित करना तथा शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार ने कहा कि नामांकन बढ़ाने में शिक्षकों व अभिभावको की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे घर-घर जाकर अभिभावकों को प्रेरित करें और बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए जागरूक करें।बीईओ ने स्वयं अभिवावकों से मिलकर उन्हें बच्चों के नामांकन हेतु प्रेरित किया। बाइक रैली का शुभारंभ प्राथमिक विद्यालय मानीमऊ से बीईओ द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

रैली सठियामऊ, लक्षनपुरवा, रौरा, तड़ौरा, भगहर, छितरामऊ, बमटापुर, आबिदपुर, सबदलपुर, भानापुर, जनियामऊ होते हुए चिल्लौर में समाप्त हुई। कार्यक्रम के अंत में सभी को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और अधिक से अधिक बच्चों को स्कूल भेजने का संकल्प दिलाया गया। रैली मे एआरपी आदर्श अवस्थी, प्रभाकर मिश्रा, शेरपाल नोडल संकुल शाहीन अख्तर, शिक्षक संकुल आदर्श कुमार, ज्ञानेंद्र सिंह, शुभम यादव, शिक्षक अजीत शुक्ल, मो० सारिक, श्यामा कुमार, राजपाल, प्रांजुल तिवारी, नीलम देवी, प्रेम सिंह, रामरक्षपाल, रामऔतार सुमन, अमन श्रीवास्तव, पंकज कनौजिया, दुर्गेश तिवारी, हिमांशु श्रीवास्तव, सुधाकर, अब्दुल फतेह, प्रशान्त द्विवेदी, विमलेश पांडेय, गफ्फार, वीरेन्द्र, शिवम सिंह, विजय वर्मा, अभिषेक सिंह, सुवोध त्रिवेदी, उदय सिंह, हुमा अवेज, गौरव, सुभाष, आगाज खाँ, ललित किशोर इस्माइल आदि उपस्थित रहे।

अंबेडकर जयंती पर अब्दुल्ला नगर में निकली भव्य रैली, समानता और शिक्षा का दिया संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। विकास खंड पिहानी के ग्राम अब्दुल्ला नगर में मंगलवार को भारत रत्न डॉण् भीमराव अंबेडकर जी की जयंती धूमधाम और उल्लास के साथ मनाई गई। इस पावन अवसर पर पूर्व जिला पंचायत दिलीप मिश्रा ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्रद्धांजलि सभा के बाद पूर्व जिला पंचायत सदस्य दिलीप मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर भव्य रैली को रवाना किया। रैली अब्दुल्ला नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जोगीपुरए लालापुरवाए गुर्दीनपुरवाए राभाए नेवादा और नारीखेड़ा गांवों से निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में युवाओंए सामाजिक कार्यकर्ताओं और आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में बाबा साहेब की तस्वीर और नीले झंडे लेकर जय भीम, शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो के नारे लगाए। पूरे रास्ते में डॉ० भीमराव अंबेडकर के विचारों और उनके सामाजिक योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जिला पंचायत दिलीप मिश्रा ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमें समानताए न्याय और शिक्षा के पथ पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभाई और दबे कुचले वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ा। उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। अन्य वक्ताओं ने कहा कि आज जरूरत है कि हम बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलें तथा समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाएं। बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान सतेंद्र, रामस्नेही, शिशुमोहन, कामता प्रसाद, लालाराम, सालिकराम, गौरव, लालबहादुर सहित अन्य युवा मंडल के कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह और अनुशासन देखने को मिला। युवाओं ने पूरी रैली के दौरान व्यवस्था संभाली और यातायात को सुचारू बनाए रखा।

जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बे के विजय शंकर इंटर कॉलेज में अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को अग्निशमन केंद्र सवायजपुर की टीम द्वारा एक मॉक ड्रिल एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों और शिक्षकों को आपातकालीन स्थिति में आग पर काबू पाने और सुरक्षित बचाव के तरीके सिखाए गए। प्रायोगिक प्रदर्शन से दी जानकारी सवायजपुर अग्निशमन केंद्र के प्रभारी चौहान गौतम के नेतृत्व में पहुंची टीम ने कॉलेज परिसर में विभिन्न प्रकार की आग और उन्हें बुझाने के उपकरणों का प्रदर्शन किया। छात्रों को बताया गया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय धैर्य से काम लेना चाहिए। टीम ने गैस सिलेंडर में लगी आग को बुझाने और 'फायर एक्सटिंग्विशर' (अग्निशमन यंत्र) को चलाने का सजीव प्रदर्शन किया। इस मौके पर मुख्य रूप से आरक्षी नंदकिशोर, अर्जुन, अरविंद कुमार, चंद्रशेखर आजाद, दीपू और होमगार्ड सुनील कुमार अवस्थी मौजूद रहे। टीम ने श्अग्नि सेवाश् से संबंधित महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की। प्रभारी चौहान गौतम ने बताया कि अग्नि सुरक्षा सप्ताह का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस और विशेषकर युवाओं को जागरूक करना है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना के समय कम से कम नुकसान हो

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै विवेक शुक्ला पुत्र विपिन शुक्ला निवासी बाजार टोला बेनीगंज देहात जनपद हरदोई का निवासित हूं। मेरी बीमा पालिसी संख्या 223822319 में शुभम पुत्र विपन कुमार अंकित है। जब कि मेरे आधार कार्ड सहित अन्य अभिलेखों में विवेक शुक्ला पुत्र विपिन शुक्ला दर्ज है। मुझे उक्त दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है।

श्रमिक अशांति

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं। लेकिन इस संकट को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया। निर्विवाद रूप से बढ़ती महंगाई और स्थिर वेतन के बीच बढ़ती खाई से अशांति की जड़ें गहरी होती जा रही हैं। औद्योगिक केंद्रों में कामगार पश्चिम एशिया युद्ध के चलते बढ़ी महंगाई के कारण दबाव में अपना गुजारा करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। निस्संदेह, हरियाणा द्वारा न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का निर्णय इस गंभीर वास्तविकता की स्वीकृति को ही दर्शाता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि तात्कालिक उपाय के रूप में बातचीत और शिकायतों का फौरी निवारण कारगर विकल्प नहीं हो सकते। हालांकि, अधिकारी अशांति फैलाने में निहित स्वार्थी तत्वों की भूमिका की जांच कर रहे हैं, लेकिन ये घटनाएं व्यवस्थागत अविश्वास को भी दर्शाती हैं। दरअसल, श्रमिकों का उपेक्षित महसूस करना वातावरण को अस्थिर बनाता है। लेकिन यह एक हकीकत है कि दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन के लिये विनिर्माण की महत्वाकांक्षाएं स्थिर-प्रेरित कार्यबल के बिना संभव नहीं हैं। औद्योगिक अशांति केवल उत्पादन-निवेश तक ही सीमित नहीं रहती। इससे आपूर्ति शृंखला बाधित होने और निवेशकों का भरोसा कम होने की आशंका भी पैदा होती है। निस्संदेह, आर्थिक प्रगति समावेशी हो। शासन को श्रमिक हितैषी होना चाहिए। विश्वास निर्माण से ही हमारे कारखाने विकास का इंजन बन सकते हैं।

महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट में डाल दिया है।

अखिलेश का महिला आरक्षण विरोध, जातिगत जनगणना का डर या पीडीए की रक्षा

अजय कुमार

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार के महिला आरक्षण बिल को भाजपा की चुनावी घबराहट करार देते हुए जोरदार हमला बोला है, जो उत्तर प्रदेश की सियासत को नई ऊंचाई दे रहा है। इस बयान के पीछे सपा का विरोध केवल सतही नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक रणनीति छिपी है, जहां जातिगत जनगणना का मुद्दा केंद्र में है और अखिलेश को डर सताने लगा है कि कहीं उनका पीडीए फॉर्मूला कमजोर न पड़ जाए। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर तीखे लहजे में कहा कि भाजपा असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए यह बिल ला रही है, क्योंकि जनता का आधार खत्म हो चुका है और उनकी विदाई का समय आ गया है। उन्होंने स्पष्ट आरोप लगाया कि बिना जातिगत जनगणना के यह आरक्षण पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के अधिकारों को खत्म करने की साजिश है, जहां ए का मतलब आधी आबादी यानी महिलाओं से भी है। सपा प्रमुख का तर्क है कि जनगणना टाली जा रही है ताकि पिछड़ों और दलितों का वास्तविक हक न मिले, क्योंकि नई गिनती से जातिगत आंकड़े सामने आएंगे, जो भाजपा को असहज करेंगे।

भारतीय राजनीति का मैदान हमेशा रणनीतियों और चालबाजियों से भरा रहता है, जहां हर बिल या नीति चुनावी दांव बन जाती है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार के महिला आरक्षण बिल को भाजपा की चुनावी घबराहट करार देते हुए जोरदार हमला बोला है, जो उत्तर प्रदेश की सियासत को नई ऊंचाई दे रहा है। इस बयान के पीछे सपा का विरोध केवल सतही नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक रणनीति छिपी है, जहां जातिगत जनगणना का मुद्दा केंद्र में है और अखिलेश को डर सताने लगा है कि कहीं उनका पीडीए फॉर्मूला कमजोर न पड़ जाए। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर तीखे लहजे में कहा कि भाजपा असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए यह बिल ला रही है, क्योंकि जनता का आधार खत्म हो चुका है और उनकी विदाई का समय आ गया है। उन्होंने स्पष्ट आरोप लगाया कि बिना जातिगत जनगणना के यह आरक्षण पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के अधिकारों को खत्म करने की साजिश है, जहां ए का मतलब आधी आबादी यानी महिलाओं से भी है। सपा प्रमुख का तर्क है कि जनगणना टाली जा रही है ताकि पिछड़ों और दलितों का वास्तविक हक न मिले, क्योंकि नई गिनती से जातिगत आंकड़े सामने आएंगे, जो भाजपा को असहज करेंगे। यह विरोध इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से पहले पीडीए सपा की मुख्य चुनावी रणनीति बनी हुई है, जो 2024 लोकसभा चुनावों में कामयाब रही थी। मायावती की बसपा ने भी बिल का समर्थन तो किया, लेकिन शर्त रखी कि एससी, एसटी और ओबीसी महिलाओं को अलग कोटा मिले। अखिलेश ने इसी को आधार बनाकर कहा कि भाजपा कभी पिछड़ों-दलितों को उनका हक नहीं देना चाहती। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सपा का विरोध बिल के कार्यान्वयन पर केंद्रित है। वे 2011 की पुरानी जनगणना के बजाय नई जनगणना और परिसीमन की मांग कर रहे हैं, क्योंकि बिना जाति आधारित आंकड़ों के आरक्षण सामाजिक न्याय से भटक सकता है। अखिलेश ने अमेठी में पत्रकारों से कहा कि सरकार की मंशा में ही आरक्षण देना नहीं है, और महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण पर कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने नोएडा और मेरठ की कामगार महिलाओं के दर्द का जिक्र कर सरकार को चुनौती दी कि बिल वहीं घोषित हो। सपा का विरोध इसलिए गहरा है क्योंकि पीडीए फॉर्मूला उनकी राजनीतिक पूंजी है। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को एकजुट कर सपा ने यूपी में वापसी की, और जातिगत जनगणना इसकी कुंजी है। अखिलेश ने जनगणना अधिसूचना पर तंज कसा कि जाति कॉलम न होने से भाजपा पीडीए के खिलाफ साजिश रच रही है। विश्लेषण में साफ है कि महिला बिल से डर यह है कि यह सामान्य महिलाओं को फायदा देगा, लेकिन बिना जाति ब्रेकअप के ओबीसी-एसटी-एससी महिलाओं का हिस्सा प्रभावित होगा, जो सपा के वोट बैंक को कमजोर कर सकता है। भाजपा इसे नारी शक्ति वंदन अभियान से जोड़कर महिला वोटरों को लुभा रही है, खासकर 2027 यूपी चुनावों से पहले। लेकिन अखिलेश का काउंटर है कि महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं की खराब स्थिति में जुमले काम नहीं आएंगे। सवाल यह है कि अखिलेश को जातिगत जनगणना का दांव फीका पड़ने का डर है? बिल्कुल। सपा लंबे समय से जाति जनगणना की मांग पर अड़ी है, जो ओबीसी को मजबूत प्रतिनिधित्व देगी। अगर बिल बिना जनगणना के लागू होता है, तो पीडीए का नैरेटिव कमजोर पड़ेगा, क्योंकि भाजपा दावा करेगी कि महिलाओं को आरक्षण देकर सामाजिक न्याय हो गया। विपक्षी दलों की एकजुटता पीडीए प्रहरी के रूप में मजबूत हो रही है, जो भाजपा की हर चाल पर नजर रखेगी। अखिलेश का बयान चुनावी धांधली का आरोप लगाते हुए भाजपा को घेरता है, और यह यूपी की सियासत को ध्रुवीकरण की ओर ले जा रहा है। भाजपा की रणनीति साफ है, बिल को 2029 लोकसभा से पहले लागू कर महिलाओं को जोड़ना, लोकसभा सीटें बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है, जिसमें 273 महिलाओं के लिए। लेकिन सपा इसे घबराहट बता रही है, क्योंकि वोटरों का अकाल है। राजनीतिक जानकार कहते हैं कि सपा का विरोध बिल का नहीं, बल्कि उसके बिना जाति डेटा के है, जो उनके जाति-आधारित राजनीति को चुनौती देता है। मायावती की मांग भी इसी दिशा में है, जो विपक्ष को एकजुट कर सकती है। बहरहाल, इस पूरे प्रकरण से यूपी राजनीति में नया दौर शुरू हो गया है। अखिलेश ने महिलाओं की दुखी स्थिति पर सवाल उठाकर नैतिक ऊंचाई हासिल की। सिलेंडर महंगा, स्कूल बंद, कमीशनखोरी। लेकिन गहराई में यह पीडीए की रक्षा का संघर्ष है। अगर जनगणना होती है, तो सपा को लाभ, लेकिन भाजपा इसे टालकर बिल थोपना चाहती है। अखिलेश का डर वाजिब है, क्योंकि जातिगत जनगणना का दांव फीका पड़ गया तो पीडीए का जादू टूट सकता है। भाजपा इसे महिला सशक्तिकरण का नाम दे रही, लेकिन सपा इसे साजिश बता रही।लोकसभा में बिल पास होने के बाद राज्यसभा और विधानसभाओं में बहस तेज होगी। सपा ने हमेशा महिला आरक्षण में पिछड़ी-दलित महिलाओं का कोटा मांगा है। अखिलेश का यह हमला 2027 चुनावों की तैयारी है, जहां पीडीए को मजबूत रखना जरूरी। विश्लेषकों का अनुमान है कि यह मुद्दा विपक्ष को मजबूत करेगा, अगर जनगणना की मांग जोर पकड़ती है। भाजपा को अब नारी शक्ति अभियान से जवाब देना होगा।

पति परमेश्वर : सत्य और मान्यताएं

पायल लक्ष्मी सोनी
लेखक, पत्रकार,समीक्षक

भारतीय संस्कृति में कुछ शब्द ऐसे हैं जिनका अर्थ समय के साथ बदल दिया गया, तोड़ दिया गया या आधा-अधूरा समझकर समाज में भ्रम फैलाया गया। ऐसा ही एक शब्द है-पति परमेश्वर। आजकल सोशल मीडिया पर अक्सर यह प्रश्न उठाया जाता है कि यदि पति परमेश्वर है, तो फिर इतिहास और पुराणों में कुछ स्त्रियों के जीवन में दुख क्यों आए? यदि शिव सती को नहीं बचा पाए, राम सीता को कष्टों से नहीं बचा पाए, पांडव द्रौपदी का चीरहरण नहीं रोक पाए, तो फिर पति को परमेश्वर क्यों कहा गया? पहली दृष्टि में यह प्रश्न तर्कपूर्ण लग सकता है, परंतु जब हम भारतीय दर्शन, शास्त्रीय अर्थ और घटनाओं की वास्तविक पृष्ठभूमि को समझते हैं, तब स्पष्ट होता है कि यह प्रश्न अधूरी जानकारी पर आधारित है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि भारतीय परंपरा में परमेश्वर शब्द हर जगह ईश्वर के शाब्दिक अर्थ में नहीं प्रयुक्त होता। हमारे यहाँ माता को भी देवतुल्य कहा गया, पिता को देवतुल्य कहा गया, गुरु को ब्रह्मा-विष्णु-महेश कहा गया, अतिथि को देवो भवः कहा गया। क्या इसका अर्थ यह है कि माता-पिता सचमुच देवता बन गए? नहीं। इसका आशय है सम्मान, श्रद्धा, कर्तव्य और जीवन में उनके महत्व को स्वीकार करना। उसी प्रकार पति को परमेश्वर कहने का अर्थ उसे भगवान बनाना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन में जिम्मेदार, संरक्षक, सहयोगी और आदरणीय स्थान देना है। भारतीय विवाह केवल सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि संस्कार माना गया है। इसमें पति-पत्नी दोनों एक-दूसरे के पूरक माने गए हैं। पत्नी को अर्धांगिनी कहा गया, गृहलक्ष्मी कहा गया, शक्ति कहा गया। यदि पति परमेश्वर कहा गया, तो पत्नी को भी देवी का स्थान मिला। समस्या तब उत्पन्न होती है जब लोग केवल एक पक्ष देखते हैं और दूसरे पक्ष को जानबूझकर अनदेखा करते हैं। सनातन परंपरा कभी भी एकतरफा अधिकार नहीं सिखाती, बल्कि परस्पर कर्तव्य और सम्मान का मार्ग दिखाती है। अब उन उदाहरणों को देखें जिन्हें अक्सर भ्रम फैलाने के लिए प्रस्तुत किया जाता है। सती और शिव की कथा को गलत रूप में बताया जाता है। सत्य यह है कि सती ने अपने पिता दक्ष द्वारा शिव के अपमान को सहन न कर योगाग्नि धारण की थी। शिव ने सती का त्याग नहीं किया था, न ही उन्हें असहाय छोड़ा था। सती के वियोग में शिव का तांडव समस्त सृष्टि को हिला देने वाला प्रसंग है। यह घटना बताती है कि शिव का सती के प्रति प्रेम कितना गहरा था। इसे पति की असफलता कहना कथा की आत्मा को न समझना है। राम और सीता के प्रसंग को भी आधा पढ़कर प्रस्तुत किया जाता है। भगवान राम ने सीता के सम्मान और उद्धार के लिए समूचे रावण साम्राज्य से युद्ध किया। वनवास सहा, कठिनाइयाँ झेलीं, पर पत्नी के प्रति निष्ठा नहीं छोड़ी। वे एकपत्नीव्रती रहे, जो उस समय के राजाओं में अत्यंत दुर्लभ आदर्श था। सीता का वनवास और अग्निपरीक्षा जैसे प्रसंग राजधर्म, लोकमत और समय की सामाजिक जटिलताओं से जुड़े थे। उन्हें केवल पति-पत्नी के निजी संबंध के रूप में देखना उचित नहीं। राम का जीवन व्यक्तिगत सुख से अधिक लोकमर्यादा का जीवन था। द्रौपदी के चीरहरण का उदाहरण भी अक्सर बिना संदर्भ दिया जाता है। उस सभा में पांडव द्यूत-क्रीड़ा में बंध चुके थे, दास घोषित कर दिए गए थे और राजनीतिक षड्यंत्र का शिकार थे। वह घटना महाभारत का नैतिक पतन दर्शाती है, न कि केवल पांडवों की कमजोरी। द्रौपदी की पुकार पर श्रीकृष्ण ने उनकी लाज बचाई और उसी अपमान का परिणाम महाभारत युद्ध बना, जिसमें अन्याय का अंत हुआ। यह प्रसंग बताता है कि स्त्री के अपमान पर धर्मयुद्ध तक हो सकता है। भारतीय संस्कृति में नारी को अत्यंत ऊँचा स्थान दिया गया है। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं। यह केवल श्लोक नहीं, सामाजिक दर्शन है। यदि नारी केवल अधीन मानी जाती, तो उसे लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा, काली, अन्नपूर्णा जैसे दिव्य स्वरूप क्यों दिए जाते? हमारे यहाँ ज्ञान भी देवी है, धन भी देवी है, शक्ति भी देवी है। यह विश्व की विरल सांस्कृतिक दृष्टि है। पति को परमेश्वर कहने की परंपरा का वास्तविक अर्थ यह है कि पत्नी अपने जीवनसाथी में ईश्वरतुल्य गुण देखे-जिम्मेदारी, करुणा, संरक्षण, सत्यनिष्ठा और प्रेम। इसी प्रकार पति भी पत्नी में देवी स्वरूप देखे-ममता, शक्ति, सृजन, धैर्य और समर्पण। जब दोनों एक-दूसरे को सम्मान देते हैं, तभी गृहस्थ जीवन स्वर्ग बनता है। यदि केवल शब्द रह जाएँ और व्यवहार में सम्मान न हो, तो कोई भी परंपरा खोखली हो जाती है। आधुनिक समय में इस विषय पर संतुलित दृष्टि की आवश्यकता है। न अंधानुकरण उचित है, न अंधविरोध। यदि कोई पति पत्नी का सम्मान नहीं करता, उसे कष्ट देता है, उसके अधिकार छीनता है, तो वह परमेश्वर कहलाने योग्य नहीं। उसी प्रकार यदि कोई पत्नी केवल अधिकार चाहे और कर्तव्य न निभाए, तो संतुलन नहीं बन सकता। भारतीय विवाह व्यवस्था अधिकारों से पहले उत्तरदायित्व सिखाती है। सोशल मीडिया के युग में लोग दो पंक्तियाँ पढ़कर पूरी संस्कृति पर टिप्पणी कर देते हैं। परंपराओं का मूल्यांकन व्यंग्य से नहीं, अध्ययन से होना चाहिए। यदि किसी शब्द का अर्थ समय के साथ बिगड़ गया है, तो उसे समझाना चाहिए, मिटाना नहीं। पति परमेश्वर का भाव दासता नहीं, बल्कि वैवाहिक संबंध में आदर का प्रतीक है। उसी प्रकार पत्नी देवी भी केवल शब्द नहीं, व्यवहार में उतारने योग्य सत्य है। अंततः यह समझना होगा कि भारतीय संस्कृति संबंधों को सत्ता के आधार पर नहीं, श्रद्धा के आधार पर देखती है। यहाँ पति-पत्नी प्रतिस्पर्धी नहीं, सहयात्री हैं। एक घर तब बनता है जब दोनों एक-दूसरे में ईश्वर के अंश को पहचानें। इसलिए पति को परमेश्वर कहना स्त्री की हीनता नहीं, बल्कि परिवार संस्था में सम्मान का सांस्कृतिक रूपक है। जहाँ पत्नी शक्ति है, वहाँ पति शिव है; जहाँ दोनों का संतुलन है, वहीं सच्चा सुख, धर्म और समृद्धि है। भारतीय दर्शन में शिव और शक्ति का संतुलन केवल एक धार्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय सत्य का आधार है, जहाँ शिव को 'चेतना' और शक्ति को 'ऊर्जा' का स्वरूप माना गया है। यह संतुलन अर्धनारीश्वर के रूप में प्रकट होता है, जो यह संदेश देता है कि सृष्टि का कोई भी पक्ष दूसरे के बिना अधूरा है; यदि शिव आधार प्रदान करने वाली स्थिरता हैं, तो शक्ति सृजन और विस्तार करने वाली गतिशीलता हैं। व्यावहारिक जीवन में यह संतुलन तब स्थापित होता है जब पुरुषोचित साहस और स्त्रीसुलभ करुणा का मिलन होता है, जहाँ अधिकार और कर्तव्य एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी होने के बजाय पूरक बन जाते हैं। तंत्र और योग के अनुसार, शिव के बिना शक्ति दिशाहीन है और शक्ति के बिना शिव निष्क्रिय हैं, ठीक उसी तरह जैसे प्राण के बिना देह। अतः, समाज और परिवार की सुख-शांति भी इसी शिव-शक्ति संतुलन पर टिकी है, जहाँ दोनों पक्ष एक-दूसरे के अस्तित्व को गरिमा प्रदान करते हुए जीवन की यात्रा को पूर्णता की ओर ले जाते हैं।

नारी-आरक्षणः नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है। भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं। भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं। सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है। हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निर्माता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें। नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है, जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त, समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली सदर पुलिस की कार्रवाई, लखनऊ निवासी युवक को दबोचा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। कोतवाली सदर थाना क्षेत्र में लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत की गई।

पुलिस के अनुसार, 5 अक्टूबर 2025 को वादिनी की तहरीर पर कोतवाली सदर में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा संख्या 0880/2025 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान मामले में संलिप्त आरोपी की पहचान रौकी पुत्र विशुनपाल निवासी अहमदाबाद कटौली थाना मलीहाबाद जनपद लखनऊ के रूप में हुई।

पुलिस ने 14 अप्रैल 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के आधार पर मुकदमे में धारा 87 बीएनएस की बढ़ोत्तरी भी की गई है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक करुणाशंकर श्रीवास्तव, कांस्टेबल टीटू सिंह और महिला कांस्टेबल प्रिया यादव शामिल रहे।

सड़क पर स्टंटबाजी करने वाला युवक गिरफ्तार, बाइक सीज

बांगरमऊ। नगर के मुख्य मार्गों पर जानलेवा स्टंट कर लोगों की जान जोखिम में डालने वाले बाइक सवार के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में स्टंटबाजी करने वाले युवकों में हड़कंप मच गया है, वहीं आम लोगों ने राहत की सांस ली है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मऊ निवासी आकिब खान पुत्र जुल्फिकार उर्फ चिकू काफी समय से नगर के व्यस्त मार्गों पर बाइक से खतरनाक स्टंट कर रहा था। उसकी हरकतों से राहगीरों में भय का माहौल बना रहता था और किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। इसको लेकर नागरिकों द्वारा कई बार पुलिस से शिकायत भी की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली के उप निरीक्षक अन्सार हुसैन रिजवी अपने हमराह सिपाही रजत कुमार के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान उन्होंने आकिब को सड़क पर स्टंट करते हुए देख लिया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर ही उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी की बाइक को सीज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया।

यूपीआई फ्रॉड के शिकार युवक को राहत, 49,997 रुपये कराए गए रिफंड

उन्नाव। कोतवाली सदर थाना क्षेत्र में यूपीआई के माध्यम से हुई साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित की पूरी धनराशि वापस करा दी। जानकारी के अनुसार, 1 अप्रैल 2026 को अभय प्रताप सिंह पुत्र फूलचन्द्र रावत निवासी कब्बाखेड़ा थाना कोतवाली सदर ने ऑनलाइन प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि बालू-सीमेंट का माल भेजने के नाम पर उससे यूपीआई के जरिए 49,997 रुपये की ठगी कर ली गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली सदर की साइबर टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद 15 अप्रैल 2026 को पीड़ित की पूरी ठगी गई धनराशि 49,997 रुपये रिफंड करा दी गई। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को बड़ी राहत मिली है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक चन्द्रकान्त मिश्र, उपनिरीक्षक राजेश यादव व महिला आरक्षी सोनिया शर्मा शामिल रहे।

मिशन नारी शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ पुलिस ने सुरक्षा, अधिकार और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

बांगरमऊ। कस्बा गंजमुरादाबाद स्थित जीनियस पब्लिक स्कूल में मिशन नारी शक्ति अभियान के तहत बांगरमऊ पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के पांचवें चरण के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को सुरक्षा उपायों, कानूनी अधिकारों और आत्मरक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बालिकाओं को किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, 112 सहित अन्य महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी देते हुए उनके सही उपयोग के तरीके भी समझाए गए। पुलिस ने कहा कि जागरूकता और आत्मविश्वास ही सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत है।

विद्यालय प्रबंधक जुल्फिकार अली ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं में जागरूकता बढ़ती है और वे अपने अधिकारों के प्रति अधिक सचेत होती हैं। वहीं प्रधानाचार्य आदर्श पांडे ने छात्राओं को कार्यक्रम से मिली सीख को अपने दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में विद्यालय की सभी बालिकाएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यालय प्रशासन के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नवनियुक्त पदाधिकारी ने ली शपथ शिक्षा हित में सदैव खड़े रहने का संकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जनपदीय अधिवेशन एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन मूरतगंज स्थित एक गेस्ट हाउस में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में नव नियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। प्रदेश अध्यक्ष योगेश त्यागी ने कहा कि संगठन शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेगा। उन्होंने कहा कि जहां भी शिक्षकों को आवश्यकता होगी, संगठन उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। विधायक अभिनाश द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज का आधार होते हैं, इसलिए उन्हें केवल शिक्षण कार्य ही नहीं बल्कि विद्यालयों में संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना चाहिए। पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने शिक्षकों के उत्थान हेतु हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में संगठन की मजबूती, शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा तथा पारदर्शी एवं सक्रिय कार्यशैली पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान नव निर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष सहित अन्य पदों पर चयनित सदस्यों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ मूरतगंज के अध्यक्ष अशोक द्विवेदी, चंद्र भवन, आलोक द्विवेदी, रवींद्र मिश्रा व सुचित्रा विश्वकर्मा सहित काफी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

भवंस मेहता महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत आयोजित हुआ विविध कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी में बुधवार को नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन बड़े उत्साह व सहभागिता के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पदयात्रा से हुई जिसमें महाविद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, व छात्र छात्राएं शामिल रहे। पदयात्रा के पश्चात नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमें महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभायी। इसी क्रम में परिसर में एक मानव श्रृंखला बनाकर नारी शक्ति के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। आयोजन के अंतर्गत छात्राओं द्वारा स्कूटी रैली भी निकाली गयी जिसने पूरे क्षेत्र में सकारात्मक संदेश प्रसारित किया। साथ ही नारी सशक्तिकरण थीम पर चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कुछ छात्रों ने सैंड आर्ट के माध्यम से राष्ट्रीय और सामाजिक विकास से जुड़े आकर्षक चित्र उकेरे। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा 9 मिनट का प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनों को भावुक और प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त रंगोली निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की प्रभारी प्रोफ़ेसर उमा जायसवाल ने अपने संबोधन में छात्र-छात्राओं को देशहित में आगे बढ़कर सामाजिक कार्यों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर प्रबोध श्रीवास्तव ने नारी शक्ति को नमन करते हुए महिलाओं के उत्थान हेतु चल रहे सरकारी अभियानों पर प्रकाश डाला और नर-नारी समानता पर आधारित समरस समाज की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर प्रोफ़ेसर रूबी चौधरी, प्रोफ़ेसर विवेक कुमार त्रिपाठी, प्रोफ़ेसर योगेश मिश्रा, प्रोफ़ेसर अरुण कुमार सिंह, प्रोफ़ेसर विमलेश कुमार सिंह, प्रोफ़ेसर श्वेता यादव, डॉ. नीति मिश्रा, डॉ. मोहम्मद आदिल, डॉ. सी.पी. श्रीवास्तव, डॉ. राहुल रॉय, डॉ. धर्मेंद्र अग्रहरी, डॉ. महेंद्र उपाध्याय, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. संजू, डॉ. मनीष सहित समस्त शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भरवारी में निकली भव्य स्कूटी यात्रा

कौशाम्बी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन में नगर पालिका परिषद भरवारी की अध्यक्ष कविता पासी के नेतृत्व में वार्ड नंबर 5, अंबेडकर चौराहा से भव्य 'स्कूटी यात्रा' का आयोजन किया गया। इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपने उत्साह और जागरूकता का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को न केवल राजनीतिक अधिकार प्रदान करता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को भी नई ऊंचाई देता है। स्कूटी यात्रा के माध्यम से महिलाओं ने यह संदेश दिया कि भरवारी की मातृशक्ति देश की प्रगति में कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भरवारी में बैंक ऑफ़ इंडिया की नई शाखा का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी, नगर पालिका परिषद भरवारी के वार्ड नंबर 14, नया बाजार में बैंक ऑफ इंडिया की नई शाखा का भव्य शुभारंभ किया गया। वाराणसी से आए आंचलिक प्रबंधक शशी कान्त ने विधिवत मंत्रोच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ फीता काटकर शाखा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आंचलिक प्रबंधक शशी कान्त ने बैंक ऑफ इंडिया के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1906 में स्थापित यह बैंक आज राष्ट्रीयकृत बैंकों में पांचवें स्थान पर अपनी मजबूत पहचान बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि देशभर में बैंक की 5500 से अधिक शाखाएं संचालित हैं तथा वाराणसी जोन के 11 जनपदों में यह 63वीं शाखा है। उन्होंने नव नियुक्त शाखा प्रबंधक को संबोधित करते हुए कहा कि ईमानदारी, मेहनत और लगन के साथ कार्य करते हुए शाखा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की जिम्मेदारी निभाएं। इस मौके पर जिला कर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राम प्रकाश मिश्रा एडवोकेट ने ग्रामीण क्षेत्र में बैंक शाखा खुलने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यहां कई ग्राहकों को जमा-निकासी की प्रक्रिया में सहायता की आवश्यकता होती है।

विश्व कला दिवस पर केपीएस भरवारी में रचनात्मकता की रंगीन झलक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। केपीएस भरवारी में विश्व कला दिवस के अवसर पर कक्षा 5 से 8 तक के विद्यार्थियों के बीच आकर्षक ड्राइंग आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण रंगों और कलात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर नजर आया। प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर सुंदर चित्र बनाकर अपनी कला का परिचय दिया, जिसकी उपस्थित शिक्षकों एवं निर्णायकों ने सराहना की। प्रतियोगिता में कक्षा 7-बी के सारांश चौरसिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर आधारित चित्र सभी के आकर्षण का केंद्र बना। द्वितीय स्थान कक्षा 7-बी की प्रतिष्ठा को मिला, जिन्होंने मंडला आर्ट के माध्यम से अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। वहीं तृतीय स्थान कक्षा 6-बी की श्रेया यादव को मिला, जिन्होंने विश्व कला दिवस की थीम पर सुंदर और सजीव चित्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की शिक्षिका मिस शारिबा अख्तर ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती सीमा पंवार ने अपने संदेश में कहा कि कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती हैं और उन्हें अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच प्रदान करती हैं। अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए बधाई दी तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही।

संक्षिप्त समाचार

एबीसी लाइन में लगी आग, 50 घरों की बिजली आपूर्ति ठप

शुक्लागंज। नगर के पोनी रोड स्थित बिंदानगर में मंगलवार देर रात बिजली की एबीसी लाइन में भीषण आग लग गई। हादसे के चलते क्षेत्र के करीब 50 घरों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे भीषण गर्मी और उमस के बीच लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंगलवार रात करीब दो बजे दयानंद इंटर कॉलेज के पास लगे बिजली के पोल में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते केबल जलकर खाक हो गई। शुरुआत में लोगों को सामान्य फॉल्ट का अंदेशा हुआ, लेकिन काफी देर तक बिजली न आने पर लोग घरों से बाहर निकले और केबल जलने की जानकारी हुई। रात भर बिजली आपूर्ति बाधित रहने से घरों में लगे इन्वर्टर भी जवाब दे गए, जिससे सुबह तक घरों में अंधेरा बना रहा। बुधवार सुबह सूचना देने के बाद करीब साढ़े दस बजे बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू किया।

गौशाला में बदहाली पर बजरंग दल का हंगामा, सड़क पर धरना

शुक्लागंज। विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी के देवारा कलां (संभर खेड़ा) स्थित अस्थाई गौशाला में गोवंशों की बदहाली को लेकर बुधवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। बजरंग दल के जिला संयोजक नितिन शुक्ला के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि गौशाला में गोवंशों की हालत बेहद खराब है। दोपहर दो बजे तक गौशाला का गेट तक नहीं खोला गया था और पशु भूख-प्यास से बेहाल थे। कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब इस संबंध में ग्राम प्रधान नन्हकऊ साहू और वीडियो पंचायत विनोद से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो किसी ने फोन उठाना उचित नहीं समझा। इससे नाराज कार्यकर्ता सड़क पर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। हंगामे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित कार्यकर्ताओं को समझा-बुझाकर शांत कराया और व्यवस्थाओं में सुधार का आश्वासन दिया।

साइबर सेल ने पीड़ित के खाते में वापस कराए ठगी के 49 हजार रुपये

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले के थाना जमालपुर की साइबर सेल टीम ने ऑनलाइन ठगी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 49 हजार 566 रुपये की धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी। जमालपुर थाना क्षेत्र के बियरही गांव निवासी रामदुलारे ने 13 दिसंबर 2025 को साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि साइबर ठगों ने उनके साथ कुल 59 हजार 467 रुपये की ठगी की थी। इस संबंध में उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही थाना जमालपुर साइबर सेल टीम ने जांच शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में टीम ने संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर 49 हजार 566 रुपये की धनराशि सफलतापूर्वक वापस करा दी है। राशि वापस मिलने पर पीड़ित बुधवार को थाने पहुंचा और पुलिस अधिकारियों व साइबर टीम थानाध्यक्ष अमित कुमार, उपनिरीक्षक आशीष कुमार, कम्प्यूटर ऑपरेटर संजीव सरोज, आरक्षी विवेक यादव का आभार व्यक्त किया।

देवरिया पुलिस ने चोरी के मामले में तीन आरोपितों को किया गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया की थाना लार पुलिस ने बुधवार को चोरी की घटना का खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई काफी मशीन के पार्ट्स और नकदी भी बरामद की है। थाना लार में पंजीकृत मुकदमा विवेचना के दौरान अभिषेक पाण्डेय (32 वर्ष), सोनू प्रसाद (25 वर्ष) और अजमल (40 वर्ष) का नाम प्रकाश में आया। पुलिस टीम ने 15 अप्रैल को मेहरौना चौकी के पास स्थित एक कबाड़ी की दुकान से तीनों को गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उनके पास से एक बोरी में रखे काफी मशीन के कुल 66 टुकड़े तथा 1100 रुपये नगद बरामद किए।

बांगरमऊ सीएचसी में न्यू बोर्न एंड मदर केयर यूनिट का शुभारंभ

मां-बच्चे को एक साथ मिलेगी सुविधा, मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी की उम्मीद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ। क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में न्यू बोर्न एंड मदर केयर यूनिट की स्थापना की गई। यूनिट का उद्घाटन विधायक श्रीकांत कटियार की पत्नी विभा कटियार ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस सुविधा के शुरू होने से नवजात शिशुओं और माताओं को बेहतर व समय पर उपचार मिल सकेगा। उन्होंने इसे क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिलेगी। श्रीमती कटियार ने कहा कि यूनिट के चालू होने से जच्चा-बच्चा दोनों को एक ही स्थान पर बेहतर देखभाल मिल सकेगी, जिससे इलाज के साथ भावनात्मक जुड़ाव भी बना रहेगा।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज शुक्ला ने बताया कि इस यूनिट की खासियत यह है कि मां और नवजात शिशु को पास-पास रखने की सुविधा मिलेगी। इससे दोनों के बीच बेहतर संबंध बनता है और नवजात के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि फिलहाल यूनिट में तीन बेड की व्यवस्था की गई है और आवश्यकता पड़ने पर दो बेड और बढ़ाए जाएंगे। डॉ. शुक्ला ने यह भी बताया कि मां के पास रहने से नवजात को तुरंत स्तनपान कराया जा सकता है, जो उसके लिए अमृत समान होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है। इस अवसर पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. मुकेश सिंह, डॉ. आफताब अहमद, अंशुल कटियार, धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर महिलाओं ने निकाली स्कूटी रैली

बाँदा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को देश में लागू करने को लेकर लोकसभा में पेश होने वाले बिल समर्थन में भाजपा की महिलाओं ने स्कूटी रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में अहम् भूमिका निभाएगा। नगर पालिका परिषद से निकले गये जुलूस को नगर पालिकाध्यक्ष मालती बासू ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम कि संयोजक व जिला महामंत्री ममता मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिये देश में बड़ा बदलाव लाने का प्रयास किया है जो कि स्वागत योग्य है। 2026 में भारत नारी शक्ति की भागीदारी का स्वर्णिम अध्याय लिखने वाला है स. आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा स महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष वंदना गुप्ता ने कहा कि वर्षों के इंतजार के बाद अब महिलाओं कि आवाज संसद और विधानसभाओं में और भी मुखर होगी।

सीडीओ ने की समीक्षा : बलिया में स्कूलों में नामांकन की स्थिति खराब, बीईओ का वेतन रोकने के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ओजस्वी राज ने बुधवार को बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित स्कूल चलो अभियान एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा की। बैठक में स्कूल चलो अभियान के पिछले वर्ष के 55 हजार नए नामांकन के सापेक्ष इस वर्ष जिले के लिए 75 हजार नए नामांकन के लक्ष्य को हासिल करने पर जोर दिया गया। खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) गड़वार की प्रगति अत्यंत खराब पाए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने कहा कि सभी ब्लॉकों एवं विद्यालयों को लक्ष्य आवंटित कर दिया गया है। सभी नामांकन पूर्ण कर पोर्टल पर समयबद्ध फीडिंग सुनिश्चित किए जाएं। आंगनबाड़ी से पास हुए बच्चों को भी चिन्हित कर उनका तत्काल नामांकन कराने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त पीएमश्री विद्यालयों में निर्धारित लक्ष्य को 30 अप्रैल तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। आरटीई के जरिए प्रवेश की समीक्षा की गई। सीडीओ के अनुसार ब्लॉकवार आवंटन के सापेक्ष प्रवेश की प्रगति की समीक्षा में कुछ ब्लॉकों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं पाया गया। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अभिभावकों से सीधे संपर्क स्थापित कर तथा विद्यालयों के सहयोग से शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित कराएं। जिन निजी विद्यालयों द्वारा जानबूझकर प्रवेश नहीं दिए जा रहे हैं, उनके विरुद्ध नोटिस जारी कर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

अंबेडकर जयंती पर बवाल, मूर्ति खंडित होने पर भड़की हिंसा

9 गाड़ियां फूंकीं, 19 आरोपी जेल भेजे गए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले के गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र के बांकेगंज स्थित ग्रांट नंबर 10 के मोतीपुर गांव में अंबेडकर जयंती के अवसर पर बड़ा बवाल हो गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा खंडित होने की खबर फैलते ही ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा और मामला हिंसक रूप ले बैठा। गुस्साई भीड़ ने कुकरा-बांकेगंज मार्ग को जाम कर दिया और पुलिस-प्रशासन की 9 गाड़ियों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। इस दौरान हुई झड़प में 6 पुलिसकर्मी समेत कई ग्रामीण घायल हो गए। ग्रामीणों के अनुसार, मोतीपुर गांव में स्थित बौद्ध विहार की भूमि पर अंबेडकर जयंती के मौके पर भंडारे का आयोजन किया गया था। इसी दौरान बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित की जानी थी। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान वीरेंद्र गौतम भी मौजूद रहे, लेकिन उनके जाने के बाद ग्रामीणों ने प्रतिमा स्थापित कर दी।

बताया जा रहा है कि प्रतिमा स्थापना के बाद ग्रामीण रैली निकालने चले गए और मौके पर केवल महिलाएं रह गईं। इसी दौरान बांकेगंज निवासी चंदा देवी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने जबरन प्रतिमा हटवाई, जिससे वह खंडित हो गई।

मौके पर मौजूद महिलाओं ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने प्रतिमा को बचाने का प्रयास किया तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें चौकी इंचार्ज संतोष तिवारी और महिलाओं के बीच तीखी नोकझोंक दिखाई दे रही है। मूर्ति खंडित होने की सूचना मिलते ही गांव में तनाव फैल गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने संतोष तिवारी और चंदा देवी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दिया। इसी दौरान भीड़ ने चंदा देवी को घेर लिया, जिन्हें पुलिस ने किसी तरह सुरक्षित निकाला। इसके बाद हालात बेकाबू हो गए। भीड़ ने सीओ गोला रमेश कुमार तिवारी और नायब तहसीलदार भानु प्रताप सिंह की गाड़ियों समेत कुल 9 वाहनों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। एक दरोगा की गाड़ी को तोड़कर नहर में फेंक दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी डॉ. ख्याति गर्ग, एडीएम नरेंद्र सिंह, एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी, सीओ गोला रमेश तिवारी समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर किया और हालात पर काबू पाया।

पुलिस ने चंदा देवी की तहरीर के आधार पर 74 नामजद और करीब 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। कार्रवाई करते हुए 19 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में जयपाल, अनुराग, रजनीश, वीरपाल, सूर्यप्रसाद, सुनील कुमार, पंकज, लल्लूराम, रोहित, अर्जुन, परमीत, अजित, राज, विमल, हरिशंकर, आनाशु, नीरज, श्यामकुमार और आदित्य शामिल हैं फिलहाल गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

खीरी को बड़ी सौगात: लखीमपुर-मैलानी-नानपारा रेल परियोजना को मिली रफ्तार, सर्वे को मंजूरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

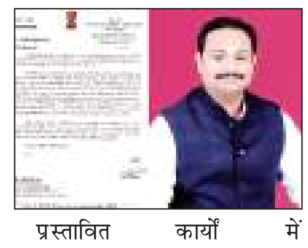

लखीमपुर खीरी। जनपद के रेल विकास को लेकर एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से प्रतीक्षित लखीमपुर-मैलानी-नानपारा रेल परियोजना अब रफ्तार पकड़ती नजर आ रही है। रेलवे मंत्रालय ने इस परियोजना के तहत नानपारा-मैलानी खंड के सर्वेक्षण को मंजूरी दे दी है, जिससे क्षेत्र में बेहतर रेल कनेक्टिविटी की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं। खीरी के सांसद उत्कर्ष वर्मा 'मधुर' ने बताया कि उन्होंने लोकसभा के शून्यकाल के दौरान इस महत्वपूर्ण रेल परियोजना के साथ-साथ लखीमपुर,गोला गोकर्णनाथ से दिल्ली के बीच नई ट्रेन सेवाएं शुरू करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। उनके प्रयासों के बाद रेलवे मंत्रालय ने इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाते हुए सर्वे को स्वीकृति दी है।

प्रस्तावित कार्यों में नानपाराऽरायबोझा आमान परिवर्तन, रायबोझाऽभीरा खीरी नई रेल लाइन का निर्माण तथा खीरीऽमैलानी आमान परिवर्तन शामिल हैं। यह परियोजना पूरी होने के बाद खीरी जिले की कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार होगा और आवागमन पहले से अधिक सुगम हो सकेगा। रेल मंत्रालय के अनुसार, आगे की प्रक्रिया विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (क्ष्ट) तैयार होने के बाद ही बढ़ेगी। इसके लिए नीति आयोग और वित्त मंत्रालय समेत अन्य संस्थाओं से अनुमोदन आवश्यक होगा। इस बीच एक और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि मैलानीऽनानपारा की करीब 130 वर्ष पुरानी रेल लाइन को 6 अक्टूबर 2025 से हेरिटेज (धरोहर) सूची में शामिल कर लिया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस लाइन को बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है, जिससे क्षेत्रवासियों की चिंता दूर हो गई है। वर्तमान में लखीमपुर और गोला गोकर्णनाथ, सीतापुर से 5-5 जोड़ी ट्रेन सेवाओं के माध्यम से जुड़े हुए हैं, जबकि सीतापुर से दिल्ली के लिए भी 5 जोड़ी ट्रेनें संचालित हैं। नई ट्रेन सेवाओं का संचालन यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर तय किया जाएगा। सांसद उत्कर्ष वर्मा 'मधुर' ने इस पहल के लिए रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना खीरी के विकास में मील का पत्थर साबित होगी और क्षेत्रवासियों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

एक भी बच्चा छूटा, संकल्प हमारा टूटा प्रवेश उत्सव में गूंजे जागरूकता के नारे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कृषक समाज इंटर कॉलेज, गोला में कक्षा 6, 9 एवं 11 में प्रवेश के लिए ल्लस्कूल चलो अभियानङ्क के अंतर्गत प्रवेश उत्सव का आयोजन प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावक एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। इस दौरान शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज ने छात्र-छात्राओं की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में बच्चों ने ल्लआधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगेङ्क, ल्लअब ना करो अज्ञानता की भूल, हर बच्चे को भेजो स्कूलङ्क तथा ल्लएक भी बच्चा छूटा, संकल्प हमारा टूटाङ्क जैसे नारों के माध्यम से आम जनमानस को जागरूक किया बताया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार का ल्लस्कूल चलो अभियानङ्क बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसके तहत शिक्षा विभाग के अधिकारी गांव-गांव जाकर अभिभावकों को जागरूक कर रहे हैं।

कार्यक्रम में लखपति भारती, डॉ. अनिल कुमार, अशोक वर्मा, ओमप्रकाश, एस.के. वर्मा, देवेंद्र सिंह, आरती गुप्ता, मनीषा भारती, रागिनी, हसीब एवं अख्तर अंसारी सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कुलाबे नहीं दे रहे पूरा पानी, नहर में पर्याप्त जल छोड़ने की मांग

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भीषण गर्मी के बीच क्षेत्र की मुख्य फसल गन्ने की सिंचाई के समय खीरी-सीतापुर नहर ब्रांच एक बार फिर किसानों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही है। नहर में पर्याप्त जलस्तर न होने के कारण खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि कई दिनों से नहर पूरे वाटर लेवल पर नहीं चल रही है। जलस्तर कम होने के चलते नहर में लगे कुलाबे भी पर्याप्त पानी नहीं दे पा रहे हैं। नतीजतन, नहर चालू होने के बावजूद किसान मजबूरन डीजल इंजन के सहारे सिंचाई और पलेवा करने को विवश हैं, जिससे उनकी लागत बढ़ रही है। किसानों ने कैनाल विभाग से मांग की है कि नहर में तत्काल पूरा पानी छोड़ा जाए, ताकि गन्ने की फसल को समय पर सिंचाई मिल सके और किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके।

रेहान खान का सेवा अभियान

जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर बांटी मदद, पेश की मानवता की मिसाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकला खीरी। समाज सेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान लगातार जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर उन्होंने विधानसभा पलिया क्षेत्र के सैकड़ों गांवों का दौरा कर गरीब और असहाय परिवारों से मुलाकात की तथा उनकी समस्याएं सुनीं। रेहान खान का यह सेवा अभियान किसी एक दिन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह रोज की तरह निरंतर गांव-गांव पहुंचकर जरूरतमंदों की सहायता कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने कई परिवारों को आर्थिक सहयोग और जरूरी सामान उपलब्ध कराकर उनकी मुश्किलें कम करने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी मुख्तियार खान अपनी बेटी की शादी की तैयारियों में आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। सूचना मिलते ही रेहान खान तुरंत गांव पहुंचे और परिवार को सहायता राशि प्रदान कर सहयोग का भरोसा दिया। इसके अलावा ग्राम सुमेर नगर और बिशनपुर में गरीब बेटियों की शादी के लिए 21-21 हजार रुपये तथा ग्राम कमलापुरी में एक परिवार को 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। साथ ही बेटियों को कपड़े और शादी का आवश्यक सामान भी भेंट किया गया।

इस मौके पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग और ग्रामीण मौजूद रहे। जितेंद्र तिवारी, अजय मिश्रा, बादल प्रसाद, विजय मौर्य, राकेश कुमार उर्फ मोनू, बैजनाथ, रीता सिंह, सद्दाम, जितेंद्र वर्मा, राजू मिर्ज़ा, पिंटू तिवारी सहित कई लोगों ने इस पहल की सराहना की।

ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार की मदद न केवल आर्थिक राहत देती है, बल्कि जरूरतमंद परिवारों को मानसिक रूप से भी मजबूती प्रदान करती है। कार्यक्रम के दौरान गांवों में उत्साह और आभार का माहौल देखने को मिला। रेहान खान ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों से प्रेरित होकर वह समाज के कमजोर वर्ग के लोगों की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी बेटी आर्थिक अभाव के कारण अपनी शादी में परेशानी न झेले, यही उनका उद्देश्य है। उन्होंने आगे भी इस तरह के सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया रेहान खान की इस पहल की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है और इसे एक प्रेरणादायक कदम माना जा रहा है।

एसडीएम ने नामित सभासदों को दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर पालिका परिषद गोला के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम गोला प्रतिक्षा त्रिपाठी ने सरकार द्वारा नामित सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में शत्रोहन मिश्रा, रामचन्द्र राठौर, गीता विश्वकर्मा, सूर्य प्रकाश सिंह चौहान एवं राहुल भारती शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने सभी नामित सभासदों का स्वागत किया और कहा कि सभी को मिलकर सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है तथा नगर के विकास और सेवा में योगदान देना है इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी संजय कुमार, भाजपा नगर अध्यक्ष विनोद स्वर्णकार, पूर्व चेयरमैन एलडीवी सुर्जन लाल वर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक सक्सेना, नगर महामंत्री राजेश राठौर, धीरज बाजपेई, विजय मिश्रा, नवीन भसीन, कैलाश गुप्ता, ऋषि गुप्ता, शिवम गुप्ता सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा सभासद नानक चन्द्र वर्मा, आनंद सोनी, राजेश कुमार वर्मा, हर्ष अवस्थी, आशीष अवस्थी, दानिश राइन एवं धर्मेन्द्र तिवारी (टीटू) सहित कई लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

पत्नी से मारपीट करने वाला पति हंसिया सहित गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हैदराबाद पुलिस ने एक आरोपी पति को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। आरोपी को हंसिया सहित पकड़कर न्यायालय में पेश किया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम मदारपुर-बसही निवासी नीलम देवी ने 14 अप्रैल 2026 को थाना हैदराबाद में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसके पति उत्तम कुमार ने जान से मारने की नीयत से उसके साथ मारपीट की। इस पर पुलिस ने मु0अ0सं0 109/ 26 के तहत धारा 109(1)/ 118(1), 352, 351(3) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया। थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 15 अप्रैल 2026 को कार्रवाई करते हुए आरोपी उत्तम कुमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद को एक अदद हंसिया के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय खीरी में पेश कर दिया गया।

गोला मंडी में बोरों की कमी और बिचौलियों के खिलाफ किसानों का धरना, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला अध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशन के नेतृत्व में मंगलवार को गोला मंडी परिसर में किसानों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। धरने के बाद संगठन के पदाधिकारियों ने एसडीएम गोला श्रीमती प्रतीक्षा त्रिपाठी को तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की।

ज्ञापन में किसानों ने बताया कि मंडी के क्रय केंद्रों पर बोरों की भारी कमी है, जिसके चलते किसान अपनी गेहूं व अन्य उपज का विक्रय नहीं कर पा रहे हैं। मंडी में कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। इसके साथ ही मंडी में बिचौलियों की सक्रियता पर भी किसानों ने नाराजगी जताई। आरोप लगाया गया कि बिचौलिये किसानों से अवैध धन लेकर जल्दी तौल कराने का लालच दे रहे हैं, जो पूरी तरह अनुचित है। किसानों ने कुछ क्रय केंद्रों पर अवैध वसूली और भ्रष्टाचार की शिकायत करते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी ने किसानों को आश्वस्त किया कि ज्ञापन में उठाए गए सभी मुद्दों की गंभीरता से जांच कराई जाएगी। बोरों की उपलब्धता शीघ्र सुनिश्चित की जाएगी तथा बिचौलियों और अवैध वसूली पर सख्त निगरानी के निर्देश दिए जाएंगे। धरने में युवा जिला अध्यक्ष सर्वजीत सिंह, सुधीर वर्मा, पंकज कुमार, नरेंद्र सिंह गिल, अनुराग वर्मा, संजय सिंह, रेशम सिंह, राहुल वर्मा, राजेश शुक्ला सहित बड़ी संख्या में किसान व संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

रेलवे कर्मचारियों के लिए आवास एवं सुविधाओं के आवंटन का शुभारम्भ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने वेब आधारित अनुप्रयोग एनसीआर सफर-रेलवे में कर्मचारियों के लिए आवास एवं सुविधाओं के आवंटन का शुभारम्भ बुधवार को किया। यह जानकारी मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि कांत त्रिपाठी ने देते हुए बताया कि एनसीआर-सफर एक केंद्रीकृत वेब आधारित अनुप्रयोग है, जिसे उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्गत अवकाश गृह एवं अधीनस्थ विश्राम गृह के ऑनलाइन बुकिंग एवं पारदर्शी आवंटन हेतु विकसित किया गया है, जो भारतीय रेल कर्मचारियों के लिए देश भर में उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि यह अनुप्रयोग आईटी सेल-एनसीआर के अधिकारियों आशीष कुमार, अमित कुमार एवं अनिल कुमार पटेल द्वारा अतुल कुमार मिश्रा, मुख्य प्रबंधक सूचना प्रौद्योगिकी एवं उप महाप्रबंधक (सामान्य) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य आवंटन प्रक्रिया का डिजिटलीकरण एवं सरलीकरण करना है। ओटीपी आधारित पंजीकरण, जिसमें अनिवार्य एचआरएमएस आईडी और पीएफ नंबर हैं- अवकाश गृह एवं विश्राम गृहों की केंद्रीकृत ऑनलाइन बुकिंग सुविधा- रीयल-टाइम उपलब्धता एवं स्थान आधारित खोज- पारदर्शी ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया- क्यू आर कोड आधारित बुकिंग रसीद- उपयोगकर्ता, प्रशासक एवं केयरटेकर हेतु अलग-अलग डैशबोर्ड- बुकिंग की स्थिति (स्वीकृत/लम्बित/अस्वीकृत) की ऑनलाइन ट्रैकिंग- अवकाश गृहों एवं अधीनस्थ विश्राम गृहों के कमरों की उपलब्धता एवं आवंटन प्रबंधन व्यवस्था- स्वचालित रिपोर्टिंग एवं निगरानी सुविधा वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि यह प्रणाली बुकिंग से लेकर अनुमोदन तथा चेक-इन/चेक-आउट तक की सम्पूर्ण प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर मैनुअल कार्यप्रणाली को समाप्त करती है।

डीपीएस एल्डेको का शानदार प्रदर्शन

AISCE कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में रचा नया कीर्तिमान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली पब्लिक स्कूल की एल्डेको ब्रांच ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम लहराते हुए AISCE कक्षा 10 बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम हासिल कर न केवल स्कूल, बल्कि शहर का भी नाम रोशन किया है।

इस वर्ष के परीक्षा परिणामों में स्वस्ति जैन ने 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। उनकी यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। इसके साथ ही कई विद्यार्थियों ने गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मजबूत पकड़ और गहन समझ का परिचय दिया।

विद्यालय के लिए गर्व की बात यह रही कि कुल 118 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल किए। यह उपलब्धि स्कूल के उच्च शैक्षणिक स्तर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को दर्शाती है।

इस ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का वातावरण उत्साह, गर्व और भावनाओं से ओतप्रोत रहा, जहां मेधावी छात्रों को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। छात्र-छात्राओं की कड़ी मेहनत और लगन के लिए तालियों की गूंज के बीच उनका अभिनंदन किया गया।

विद्यालय की प्राचार्या, श्रीमती गुंजन साहनी ने इस अवसर पर छात्रों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयास, अनुशासन और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों के सहयोग को भी इस उपलब्धि का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए प्रतिबद्ध है और छात्रों को बेहतर शिक्षा व मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा।

सी.जी.एन. पी.जी. कॉलेज गोला में छात्र-छात्राओं को नारी शक्ति वंदन की दिलाई गई शपथ

कुकरा खीरी। केन ग्रोअर्स नेहरू पी.जी. कॉलेज, गोला गोकर्णनाथ में दिनांक 13 अप्रैल 2026 को ल्लनारी शक्ति वंदन अधिनियमङ्क के प्रचार-प्रसार अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पंकज सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आदर्श पटेल ने छात्र-छात्राओं को नारी शक्ति वंदन एवं महिला सशक्तिकरण की शपथ दिलाई।इस अवसर पर महाविद्यालय के कुलानुशासक डॉ. प्रमोद कुमार सहित डॉ. गौरव अवस्थी, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. शैलेन्द्र, डॉ. अमित कुमार यादव, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. राजीव कुमार शर्मा, डॉ. सुनील गुप्ता, डॉ. विकास चैरसिया समेत अन्य शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पंचायत मैलानी जनपद-खीरी

पत्रांकः- 168/ई-टेन्डर/न0पं0 मैलानी/2025-26 — दिनांक- 15.04.2026

ई-निविदा सूचना

अधिशाषी अधिकारी, नगर पंचायत मैलानी के द्वारा स्वायत्त निकाय/ पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार / केन्द्र सरकार / अन्य सरकारी विभाग में उपयुक्त श्रेणी में कार्य की लागत की सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा की वेबसाईट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः-	17-April-2026, 11:00 AM to 07- May-2026, 02:00 PM
ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि / समय	07- May-2026, 02:00 PM
ई-निविदा के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवं समय	08- May-2026, 04:00 PM
ई-निविदा खोलनें का स्थान	नगर पंचायत मैलानी खीरी

यदि निविदा खोले जाने की तिथि को अवकाश होता है तब निविदा अगले दिन अपने निर्धारित समयानुसार खोली जाएगी। वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय को वेबसाईट पर अलग से नोटिस के माध्यम से सूचना दी जायेगी। निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें, टेंडर शुल्क, जमानत राशि आदि निविदा शर्तों व विस्तृत विवरण एवं समस्त कार्यवाही हेतु ई-टेंण्डर वेवसाइड etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमॅन्ट को डाउनलोड करें।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत मैलानी
जनपद-खीरी

अध्यक्ष
नगर पंचायत मैलानी
जनपद-खीरी

अजेय पंजाब के खिलाफ अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगा मुंबई

एजेंसी

मुंबई। पिछले कुछ मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली मुंबई इंडियंस की टीम स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा की संभावित अनुपस्थिति के बावजूद गुरुवार को यहां अब तक अजेय चल रही पंजाब किंग्स की कड़ी चुनौती का डटकर सामना करके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान वापस पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ पिछले मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण रोहित लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए थे। मुंबई को अब हर हाल में जीत की दरकार है और ऐसे में यह देखना होगा कि रोहित इस मैच के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं।

वैसे अगर मुंबई को अगर वापसी करनी है तो उसके सभी खिलाड़ियों को अपना योगदान देना होगा। मुंबई ने पिछले 13 सत्र में पहली बार अपना शुरुआती मैच जीता था लेकिन इसके बाद उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। मुंबई इंडियंस का पावरप्ले में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे इस क्षेत्र में काम करने की जरूरत है। उसने चार मैचों में पहले छह ओवरों के महत्वपूर्ण चरण में केवल तीन विकेट लिए हैं। इसमें राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बारिश से प्रभावित मैच भी शामिल है जिसमें पावरप्ले 3.2 ओवर का था। जसप्रीत बुमराह रन रोकने में तो सफल रहे हैं, लेकिन यह स्टार भारतीय तेज गेंदबाज अब तक चार मैचों में विकेट नहीं ले पाया है। ट्रेंट बोल्ट और हार्दिक पंड्या जैसे अनुभवी गेंदबाजों की मौजूदगी के बावजूद मुंबई इंडियंस की गेंदबाज अभी तक प्रभावित नहीं कर पाए हैं। यहां तक की बल्लेबाजी में भी मुंबई इंडियंस ने पावरप्ले का पूरा फायदा नहीं उठा पाया है। इससे उसके मध्यक्रम पर दबाव बन रहा है। उसके मध्यक्रम में सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा भी शामिल हैं, जिन्होंने काफी हद तक निराश किया है। भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार ने एक अर्धशतक लगाया है लेकिन तिलक ने अब तक 20, 00, 14 और 01 रन ही बनाए हैं। टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स की अनुपलब्धता मुंबई इंडियंस के लिए एक और समस्या है। मुंबई इंडियंस को लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके लिए कुछ खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी जिम्मेदार नहीं है बल्कि टीम का अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाना है। आरसीबी के खिलाफ मैच में मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने लगातार ऐसी गेंदें फेंकीं जिन्हें बल्लेबाजों ने बाउंड्री के पार पहुंचाया, जबकि उसके बल्लेबाज पावरप्ले में दबाव नहीं बना सके।

अश्विन ने गायकवाड़ को अपने बल्लेबाजी दृष्टिकोण में मामूली बदलाव करने को कहा

एजेंसी

चेन्नई। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में लगातार दो जीत से कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर दबाव कम होगा। उन्होंने इसके अलावा खराब फॉर्म में चल रहे इस सलामी बल्लेबाज को पारी की शुरुआत में अपने दृष्टिकोण में थोड़ा बदलाव करने की सलाह भी दी। पांच बार की चैंपियन सीएसके ने शुरुआत में लगातार तीन हार झेली लेकिन इसके बाद उसने दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर शानदार वापसी की। अश्विन ने जियोस्टार पर कहा, ''कप्तान के तौर पर उन्हें दो जीत मिल चुकी हैं, जिससे वह सहज महसूस करेंगे। सच कहूं तो अगर मैं डगआउट में होता या रुतुराज गायकवाड़ होता तो ज्यादा चिंता नहीं करता। टी20 प्रारूप ऐसा है जहां आपको लगातार इरादा दिखाना होता है। गायकवाड़ रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में केवल 63 रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 28 है। उनकी असफलता के कारण युवा आयुष म्हात्रे के संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करने की भी चर्चा बढ़ रही है। ऐसे में गायकवाड़ के तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने की संभावना है। अश्विन ने गायकवाड़ को अपनी पारी की शुरुआत में हवा में शॉट नहीं खेलने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''रुतुराज कुछ ज्यादा ही आक्रामक शॉट खेल रहे हैं और जल्दी आउट हो रहे हैं। अगर वह अपनी पारी की शुरुआत में थोड़ा सहज होकर खेलें, गेंद को सही समय पर खेलने की कोशिश करें और अधिक से अधिक मैदानी शॉट खेलें तो इससे उन्हें फायदा मिल सकता है। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सैमसन के शतक ने सीएसके में नई जान फूंकी है। सैमसन ने दिल्ली के खिलाफ नाबाद 115 रन बनाकर शानदार वापसी की और फिर केकेआर के खिलाफ 48 रन बनाए। स्टेन ने कहा, ''उनके उस शतक ने ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल दिया। इससे टीम में नहीं ऊर्जा का संचार हुआ है जिससे टीम ने जीत की राह पकड़ ली है। उन्होंने कहा, ''आईपीएल मैच जीतना वाकई मुश्किल है। कभी-कभी जीत काफी करीब होती है फिर भी आप हार जाते हैं। इसलिए एक बार जीत हासिल करने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ जाता है।

संक्षिप्त समाचार

अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल नाडा की आरटीपी सूची में शामिल

नयी दिल्ली। टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल को इस साल की दूसरी तिमाही के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल किया गया है। आरटीपी में शामिल 348 खिलाड़ियों की नवीनतम सूची में अभिषेक और अक्षर ने स्मृति मंधाना और श्रेयस अय्यर की जगह ली है। इन सभी खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी को अपने ठिकाने की जानकारी देनी होगी और प्रतिदिन एक निश्चित समय में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होगा। अपने ठिकाने की जानकारी देने में तीन बार विफल रहना डोपिंग का उल्लंघन माना जाता है। टेस्ट और वनडे के कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह और तिलक वर्मा पहले की तरह इस सूची में बने रहेंगे। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा तथा शेफाली वर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर इस सूची में बनी हुई हैं। कुल मिलाकर नाडा की इस सूची में 14 क्रिकेटरों को शामिल किया गया है। नाडा की इस सूची में सर्वाधिक खिलाड़ी एथलेटिक्स से जुड़े हुए हैं। पिछली बार इनकी संख्या 118 थी जो अब बढ़कर 134 हो गई है। इनमें स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी, डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजुर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। लंबी कूद में हिस्सा लेने वाली शैली सिंह और एम श्रीशंकर तथा गोला फेंक की एथलीट तजिंदरपाल सिंह तूर को भी इस सूची में शामिल किया गया है। तीरंदाजी से अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी, राकेश कुमार और मशहूर पैरा तीरंदाज शीतल देवी नाडा की इस सूची में शामिल हैं। हॉकी से मनप्रीत सिंह, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास और हार्दिक सिंह के साथ-साथ महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे, सविता पूनिया और नवनीत कौर भी इस सूची का हिस्सा हैं। बैडमिंटन से आठ खिलाड़ियों को इसमें शामिल किया गया है जिनमें पी वी सिंधु, लक्ष्य सेन और गायत्री गोपीचंद प्रमुख हैं। इस सूची में 22 मुक्केबाज शामिल हैं। इनमें विश्व पदक विजेता निकहत ज़रीन, निशांत देव और जैस्मीन लैंबोरिया के साथ-साथ ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन भी शामिल हैं। कुश्ती से 31 खिलाड़ियों को इस सूची में जगह दी गई है। इनमें ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत भी शामिल हैं।

दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने संन्यास लिया

नयी दिल्ली। दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें यह फैसला करना पड़ा। डेनमार्क का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अक्टूबर से पीठ की समस्या के कारण किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया है। उन्होंने इसके लिए सर्जरी भी कराई लेकिन उनका दर्द अब भी बना रहता है। तीन बार के यूरोपीय चैंपियन एक्सेलसन ने 'बैडमिंटन यूरोप' से कहा, ''जैसा कि अधिकतर लोग जानते हैं कि मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराने और लंबे समय तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरने के बाद दुर्भाग्य से अक्टूबर में यह दर्द फिर से उबर गया। उन्होंने कहा, ''दर्द के कारण मैं खेल नहीं पा रहा हूं और अभ्यास भी नहीं कर पा रहा हूं। इस कारण मुझे यह बेहद मुश्किल फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। एक्सलसेन 183 सप्ताह तक विश्व में नंबर एक खिलाड़ी रहे हैं और वह इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने कहा कि दर्द कम न होने और डॉक्टरों का खेल जारी रखने पर एक और सर्जरी की चेतावनी दिए जाने के बाद आखिर में उन्हें अपने शरीर की बात सुननी पड़ी। मिलनसार स्वभाव का यह खिलाड़ी अपने पूरे करियर में अस्थमा से जूझता रहा है। उन्होंने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार स्वर्ण पदक जीते तथा 2017 और 2022 विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया। वह यूरोपीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली डेनमार्क की छह टीमों का भी हिस्सा रहे। उन्होंने कहा, ''मैंने यह फैसला चिकित्सकों से परामर्श करने के बाद लिया है। उनका कहना है कि मुझे अभी जो दर्द हो रहा है, उसके लिए शायद एक और सर्जरी करवानी पड़े। अगर सर्जरी सफल नहीं रही तो इससे भी गंभीर प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है। मेरा शरीर मुझे रुकने का संकेत दे रहा है और मुझे अपने डॉक्टरों की सलाह माननी होगी। एक्सलसेन अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2025 में डेनमार्क ओपन में खेला था।

विंबलडन की तैयारी टूर्नामेंट की मेजबानी भी करेगा इटली

रोम। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर की लोकप्रियता का प्रभाव उनके देश इटली की टेनिस पर भी स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहा है जो एटीपी फ़ाइनल और डेविस कप फ़ाइनल के बाद अब विंबलडन की तैयारी से जुड़े एक एटीपी टूर्नामेंट की भी मेजबानी करेगा। यह टूर्नामेंट 2028 से घास के कोर्ट पर खेला जाएगा। इसका आयोजन मिलान के सैन सिरो स्टेडियम में किया जा सकता है। सिनर ने पिछले साल विंबलडन का खिताब जीता था। इटली के टेनिस महासंघ के अध्यक्ष एंजेलो बिनाघी ने कहा कि उसने 250 स्तर के एटीपी टूर टूर्नामेंट के अधिकार खरीद लिए हैं।

पीएसजी और एटलेटिको मैड्रिड चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में, बार्सिलोना बाहर

मैड्रिड। बार्सिलोना दूसरे चरण में जीत के बावजूद क्वार्टर फाइनल में एटलेटिको मैड्रिड से कुल स्कोर में 3-2 से हारने के कारण चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रहा। एटलेटिको मैड्रिड ने क्वार्टर फाइनल के पहले चरण का मैच 2-0 से जीता था जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। बार्सिलोना ने दूसरे चरण का मैच 2-1 से जीता लेकिन यह आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त नहीं था। इस बीच मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लिवरपूल को 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और इस तरह से अपने खिताब का बचाव करने की तरफ कदम बढ़ाए।

ईरान का क्लब ट्रैक्टर एशियाई चैंपियंस लीग में हारा

जेद्दा (सऊदी अरब)। मध्य पूर्व में जंग के कारण पिछले लगभग डेढ़ महीने से कोई मैच नहीं खेल पाने वाले ईरान के क्लब ट्रैक्टर को एशियाई चैंपियंस लीग (एसीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शबाब अल अहली से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। अमेरिका और इजरायल के फरवरी के आखिर में ईरान पर हमले के कारण ट्रैक्टर कोई मैच नहीं खेल पाया था और उसका असर इस मैच में देखने को मिला। यूएई के क्लब की तरफ से यूरो सीजर, ईरान के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सईद एजातोलाही और ब्राजील के फॉरवर्ड मातेउसाओ ने गोल किए। वह अब शनिवार को क्वार्टरफाइनल में थाईलैंड के बुरिराम यूनाइटेड का सामना करेगा। एक अन्य मैच में फैबिन्हो के 120वें मिनट में पेनल्टी पर किए गए गोल की मदद से सऊदी अरब के अल इत्तिहाद ने यूएई के अल वाहदा को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की जहां उसका सामना जापान के माचिदा ज़ेल्विया से होगा।

धोनी से बातचीत के बाद नूर ने किया मैच विजेता प्रदर्शन

एजेंसी

चेन्नई। महेंद्र सिंह धोनी भले ही चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अभी तक नहीं खेल पाए हैं लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के प्रदर्शन में उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है जिसकी एक बानगी स्पिनर नूर अहमद के कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच विजेता प्रदर्शन में देखने को मिली। अफगानिस्तान के बाएं हाथ की कलाई के स्पिनर नूर इस मैच से पहले तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और उन्होंने चार मैचों में केवल एक विकेट लिया था। लेकिन नेट पर अभ्यास के दौरान धोनी से लंबी बातचीत के बाद उनके खेल में बदलाव देखने को मिला। उन्होंने केकेआर के खिलाफ चार ओवरों में 21 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह और कैमरन ग्रीन के विकेट लेकर सीएसके की 32 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। पिच से

गेंदबाजों को ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी, लेकिन नूर बल्लेबाजों पर हावी होने में कामयाब रहे। सीएसके के सहायक कोच श्रीधरन श्रीराम ने नूर की मैच से पहले धोनी के साथ हुई बातचीत के बारे में बात की। धोनी पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण नहीं खेल पा रहे हैं। श्रीराम ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''विकेट से थोड़ी मदद मिल रही थी। आज उसकी गेंद की गति हवा में थोड़ी धीमी थी। गेंद पर साइड स्पिन ज्यादा थी और ड्रॉप भी ज्यादा था। इस पर वह काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ''धोनी ने अभ्यास सत्र के दौरान उनसे काफी देर तक बात की और उन्हें लेग अधिक ब्रेक करने के लिए प्रेरित किया। मुझे लगता है कि आज उससे मदद मिली और इसके परिणाम सबके सामने हैं। श्रीराम ने वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन और नूर के संयोजन पर भी बात की। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वे एक-दूसरे के पूरक हैं। वे दोनों आपस में बहुत अच्छे से संवाद भी करते हैं। उनके बीच आपस में अच्छी समझ है। आज तो अकील ने ही नूर को सही लेंथ बताई। एक बार नूर को जब सही लेंथ मिल गई, तो उन्हें खेलना लगभग असंभव हो गया।

रहाणे पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केकेआर को मंगलवार को खेले गए इस मैच में 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। उसकी टीम वर्तमान सत्र में अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई है और अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। आईपीएल के बयान के अनुसार, '' कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच के दौरान उनकी टीम की धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। इसमें कहा गया है, ''आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था, इसलिए रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। केकेआर का अगला मुकाबला शुक्रवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स से होगा।

घरेलू सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोना आज 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज

की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश की थोक महंगाई दर मार्च महीने में बढ़कर 3.88 फीसदी पर आई

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर भी लगातार पांचवें महीने बढ़कर 3.88 फीसदी पर पहुंच गई। फरवरी माह में यह 2.13 फीसदी और मार्च, 2025 में 2.25 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर ईंधन, बिजली एवं विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी से मार्च महीने में बढ़कर 3.88 फीसदी पर पहुंची है। मंत्रालय ने कहा कि कच्चे तेल एवं नेचुरल गैस, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएं, 'बेसिक मेटल' विनिर्माण और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से थोक महंगाई दर में इजाफा हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक ईंधन एवं बिजली श्रेणी में महंगाई मार्च में बढ़कर 1.05 फीसदी हो गई, जबकि फरवरी में इसमें 3.78 फीसदी की गिरावट (डिफ्लेशन) दर्ज की गई थी। डब्ल्यूपीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक कच्चे तेल की मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 51.57 फीसदी हो गई, जबकि फरवरी महीने इसमें 1.29 फीसदी की गिरावट आई थी। विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर भी फरवरी के 2.92 फीसदी से बढ़कर मार्च में 3.39 फीसदी पर पहुंच गई। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर हालांकि, मार्च में घटकर 1.90 फीसदी रह गई है, जो फरवरी में 2.19 फीसदी थी। इसके अलावा सब्जियों की महंगाई दर घटकर 1.45 फीसदी हो गई, जबकि फरवरी में यह 4.73 फीसदी थी। इससे पहले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.4 फीसदी हो गई थी, जो पिछले फरवरी महीने में 3.21 फीसदी थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अपनी पहली द्वैमासिक मौद्रिक नीति पेश करते हुए ब्याज दरों को यथावत रखा था।

फिक्की ने अनंत स्वरूप को महासचिव नियुक्त किया, संगठन को मिलेगी मजबूती

एजेंसी

नई दिल्ली। फ़ेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने अनंत स्वरूप को अपना महासचिव नियुक्त किया है।उनकी नियुक्ति से संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व को मजबूती मिलेगी, जबकि ज्योति विज महानिदेशक के रूप में अपनी भूमिका निभाती रहेंगी। उद्योग मंडल ने कहा कि अनंत स्वरूप के पास सार्वजनिक नीति, व्यापार उपचार, लॉजिस्टिक्स, नियामकीय सुधार और अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं का तीन दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने केंद्र सरकार में विभिन्न नेतृत्व पदों पर काम किया है और हाल ही में निजी क्षेत्र में भी काम किया है। स्वरूप 1992 बैच के भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) अधिकारी हैं। फिक्की ने कहा कि अनंत स्वरूप वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव एवं व्यापार उपचार महानिदेशक, रेल मंत्रालय के कार्यकारी निदेशक तथा जिनेवा स्थित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत के प्रतिनिधि के रूप में प्रथम सचिव रह चुके हैं। स्वरूप के पास टिकाऊ अवसंरचना एवं वित्त में 'मास्टर्स सर्टिफिकेट' के साथ-साथ एमबीए, एलएलबी और एमएससी की डिग्रियां हैं। फिक्की देश का सबसे पुराना और सबसे बड़ा शीर्ष व्यापार संगठन है, यह संगठन विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में उद्योग और वाणिज्य के हितों का प्रतिनिधित्व करता है।

व्यापार वार्ता के लिए भारतीय अधिकारियों का दल अगले सप्ताह जाएगा वॉशिंगटन

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत से एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल व्यापार वार्ता के लिए अगले सप्ताह वॉशिंगटन जाएगा। आधिकारिक सूत्र ने बुधवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों के व्यापार अधिकारियों के बीच यह द्विपक्षीय बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत और अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दे चुके हैं। सूत्र ने बताया कि दल अगले सप्ताह अमेरिका की यात्रा करेगा। इस समझौते पर पहले मार्च में हस्ताक्षर होने थे लेकिन अमेरिका के उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के बाद शुल्क संरचना में

हुए बदलाव से स्थिति बदल गई है। आधिकारिक सूत्रों ने पहले कहा था कि इस समझौते पर अब अमेरिका की नई वैश्विक शुल्क संरचना लागू होने के बाद ही हस्ताक्षर किए जाएंगे। भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा फरवरी में की थी। उस रूपरेखा के अनुसार अमेरिका, भारत पर शुल्क को 18 प्रतिशत तक घटाने पर सहमत हुआ था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक जवाबी शुल्क के खिलाफ अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद हालांकि अमेरिका की शुल्क संरचना में बदलाव हो गया है। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने 24 फरवरी से 150 दिन के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाया। इन बदलावों के मद्देनजर भारत और अमेरिका के मुख्य वार्ताकारों के बीच होने वाली बैठक पिछले महीने स्थगित कर दी गई थी। दोनों पक्ष फरवरी में समझौते के कानूनी पाठ को अंतिम रूप देने के लिए मिलने वाले थे। भारत ने इस समझौते को जब अंतिम रूप दिया था, तब वह अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में था।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन के बाद नोएडा की औद्योगिक इकाइयां खुलीं, कई जगह फ्लैग मार्च व पुलिस तैनात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। नोएडा के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में बीते एक हफ्ते से जारी श्रमिकों के उग्र धरना प्रदर्शन के बाद आज ज्यादातर औद्योगिक इकाइयां और शैक्षणिक संस्थान खुल गए हैं और श्रमिक भी काम करने के पहुंचे है। गिरफ्तारी के भय से कंपनियों में उपस्थिति कम रही।विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में चौकियां बनाकर पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी खुद जाकर जायजा ले रहे हैं। कई इलाकों में पुलिस और अर्द्धसैनिकों ने फ्लैग मार्च कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार की गठित की गई उच्चस्तरीय समिति की संस्तुति पर मंगलवार को यहां के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों का 21 प्रतिशत वेतन बढ़ोतरी का एलान किया था। जिससे काफी श्रमिक संतुष्ट हैं, जबकि कुछ श्रमिक इस पर तैयार नहीं है। नोएडा के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में हिंसक प्रदर्शन से बेपटरी हुई व्यवस्थाओं को दोबारा से पटरी पर लाने के लिए शासन-प्रशासन ने सख्ती दिखाकर कमर कस ली है। बुधवार की सुबह करीब नोएडा की 11,098 औद्योगिक इकाइयां और शैक्षणिक संस्थान खुल गए। कुछ शैक्षणिक संस्थानों पर भी आज सुबह को मजदूरों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिन्हें पुलिस और जिला प्रशासन के अफसरों ने समझा-बुझाकर वापस काम पर भेज दिया।पुलिस ने चेतावनी दी कि अगर कही पर किसी ने उग्र होने का प्रयास किया तो पुलिस ने उसे हिरासत में ले लेगी। सुबह से ही पूरे क्षेत्र में पुलिस के अधिकारी भ्रमणशील हैं। पुलिस ने जगह-जगह फ्लैग मार्च किया और संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। चप्पे-चप्पे पर अर्द्धसैनिक बलों के साथ चौकियां बनाकर पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। संवेदनशील इलाकों में पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी खुद जायजा ले रहे हैं। अन्य अफसर फ्लैग मार्च कर निगरानी कर रहे हैं। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह और जिलाधिकारी मेधा रूपम ने श्रमिकों एवं छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को सुरक्षा का पूरा भरोसा दिया है। औद्योगिक इकाइयां व शैक्षणिक संस्थान खुलने से पहले पुलिस प्रशासन ने विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में छह हजार से ज्यादा जवानों को तैनात किया है। इसके अलावा सहारनपुर, आगरा, मुजफ्फरनगर, मथुरा, बुलंदशहर, सिकंदराबाद समेत दस अन्य जिलों के पुलिस बल को स्टैंडबाय रखने के लिए जिलों के पुलिस कप्तानों को फोर्स तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, कुछ दिन पहले नोएडा के विभिन्न कंपनियों के श्रमिकों और कामगारों ने वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया था,लेकिन पिछले दो दिन से आंदोलनकारी उग्र हो गए और औद्योगिक सेक्टरों में की कंपनियों और फैक्टरियों में जमकर उपद्रव किया। इस दौरान करीब 500 औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों ने तोड़फोड़ की और सड़क पर खड़े तमाम वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। कार सर्विस सेंटर के बाहर खड़े वाहनों को आग लगा दी थी। इसके बाद औद्योगिक संगठनों ने शासन प्रशासन से सुरक्षा की मांग करते हुए इकाइयों का संचालन पूरी तरह बंद कर दिया था। श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन और इकाइयों के बंद होने के बाद शासन और प्रशासन स्तर पर स्थिति को नियंत्रित कर सामान्य करने की कवायद शुरू हुई थी। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने श्रमिकों से अपील की कि नोएडा की औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले श्रमिक अपने काम पर लौट आएं। उन्हें पूरी सुरक्षा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाई और शैक्षणिक संस्थान खुलने के दौरान यदि किसी तत्व ने उपद्रव या हिंसा करने प्रयास किया तो अर्द्धसैनिक बल एवं पुलिस ऐसे तत्वों को तत्काल चिह्नित कर सख्ती से निपटेगी। उन्होंने बताया कि सुबह से ही संवेदनशील क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस जगह-जगह फ्लैग मार्च कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुछ जगहों पर असामाजिक तत्वों ने माहौल खराब करने का प्रयास किया, जिनके साथ सख्ती से निपटा गया। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्दोषों के खिलाफ पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करेगी और दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा।

ब्रिटेन की क्रिकेट पत्रिका विजडन के दीप्ति शर्मा को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुनने पर आगरा में खुशी

आगरा। क्रिकेट जगत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगरा का नाम रोशन करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने एक और उपलब्धि हासिल कर आगरा का गौरव बढ़ाया है। ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पत्रिका ने दीप्ति शर्मा को साल का सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना है।इससे उत्तर प्रदेश के आगरा में खुशी की लहर की है। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को विजडन अल्मानैक 2026 में प्रतिष्ठित 'लीडिंग वुमन क्रिकेटर इन द वर्ल्ड' (वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर) के रूप में रैंकिंग देकर सम्मानित किया गया है। उन्होंने 2025 आई सी सी महिला वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 22 विकेट लेने और 215 रन बनाने के लिए यह पुरस्कार जीता। विजडन पत्रिका में दीप्ति का नाम दर्ज होने के बाद आगरा के खेल प्रेमियों और क्रिकेट साधकों में खुशी की लहर दौड़ गई। उनके भाई क्रिकेट कोच सुमित शर्मा, दीप्ति के पिता भगवान शर्मा, मां सुशीला शर्मा ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे आगरा का सम्मान बताया। दीप्ति शर्मा के भाई और क्रिकेट कोच सुमित शर्मा ने बताया कि दीप्ति ने हर स्तर पर काबिलियत साबित की है और विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। विजडन अवार्ड मिलने से परिवार के सभी सदस्यों, परिचितों और मित्रों में बहुत खुशी है। जिला क्रिकेट एसोसिएशन आगरा के अध्यक्ष सुनील जोशन से बातचीत में उन्होंने बताया कि दीप्ति को विजडन अवार्ड मिलना आगरा क्रिकेट इतिहास में एक गौरवपूर्ण घटना है। इस सम्मान से यहां के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और क्रिकेट में अपना कॅरियर बनाने के लिए एक जोश पैदा होगा।

गौतमबुद्ध नगर में श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन पर संबंधित आउटसोर्सिंग एजेंसी होगी ब्लैक लिस्टः जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश के जनपद गौतम बुद्ध नगर में श्रमिकों द्वारा किए जा रहे हिंसक प्रदर्शन के बीच मंगलवार की देर रात जिलाधिकारी मेधा रूपम ने औद्योगिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से अपने कार्यालय कक्ष में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की आउटसोर्सिंग एजेंसी/संविदाकारों के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने बताया कि बैठक में उन्होंने कहा कि आउटसोर्सिंग करने वाली कंपनियों के संविदाकार उद्योग को चलाने तथा लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में सभी आउटसोर्सिंग एजेंसी /संविदाकारों की जिम्मेदारी है कि वे अपने श्रमिकों इस प्रकार से प्रशिक्षित करें कि अनुशासन एवं शांति बनाए रखें। उन्होंने उन्हे निर्देशित करते हुए कहा कि सभी संविदाकार शासन की गाइडलाइंस का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई भी एजेंसी द्वारा या एजेंसी के एम्पलॉई/श्रमिक द्वारा हिंसक व्यवहार किया जाएगा तो उसकी जिम्मेदारी एजेंसी की भी होगी तथा उस एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करते हुए एजेंसी का लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन का उल्लेख करते हुए बताया कि अकुशल श्रमिक के लिए 13,690, अर्धकुशल श्रमिक के लिए 15,059 तथा कुशल श्रमिक के लिए 16,868 रुपए प्रतिमाह वेतन निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी संविदाकार इन वेतन मानकों का पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित करें एवं श्रमिकों के बैंक खातों में पूर्ण वेतन हस्तांतरित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्योग, श्रमिक एवं नियोजक तीनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उद्योगों का सुचारु संचालन रोजगार के अवसरों को सुरक्षित रखता है, वहीं नियोजकों की स्थिरता से श्रमिकों का भविष्य भी सुनिश्चित होता है। यदि औद्योगिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव सभी पक्षों के साथ-साथ प्रदेश के समग्र विकास पर पड़ता है। उन्होंने सभी से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और औद्योगिक शांति बनाए रखते हुए आपसी सहयोग एवं विश्वास के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी ने यह भी आश्वस्त किया कि राज्य सरकार श्रमिकों एवं नियोजकों दोनों के हितों की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और किसी भी समस्या के समाधान हेतु प्रशासन तत्परता से कार्य करेगा। इस बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व अतुल कुमार, डीडी फैक्ट्री बृजेश, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के संविदाकार उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि नोएडा में बीते एक हफ्ते से चल रहे श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन में ज्यादातर आउटसोर्सिंग कंपनियों के द्वारा हायर किए गए कर्मचारी शामिल हैं। इन्ही श्रमिकों ने सबसे ज्यादा उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

मीरजापुर शहर में स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर नगर पालिका अलर्ट, समीक्षा बैठक में सफाई पर जोर

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर नगर पालिका प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में नगर पालिका के प्रधान कार्यालय पर अधिशासी अधिकारी (ईओ) जी लाल ने बुधवार को स्वच्छता से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में ईओ ने स्वच्छता निरीक्षक, सफाई नायक, जोनल प्रभारी, एमआरएफ व स्वच्छ भारत मिशन से जुड़े कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर की बेहतर रैंकिंग के लिए वार्ड स्तर पर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। नालियों की गहरी सफाई कराई जाए और डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण में सूखा व गीला कचरा अलग-अलग लिया जाए।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेलः noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

नारी शक्ति को लेकर निकली कॉलेज से पदयात्रा, गांव-गांव तक पहुंचा संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में चुनार स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को नारी सशक्तिकरण का अनोखा नजारा देखने को मिला, जब छात्र-छात्राओं ने सड़कों पर उतरकर जागरूकता की अलख जगाई। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' प्रचार अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर से निकली पदयात्रा ने पूरे क्षेत्र का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। सुबह 10:30 बजे शुरू हुई इस पदयात्रा में छात्र-छात्राओं ने हाथों में स्लोगन और उत्साह के साथ महिलाओं के अधिकार, सम्मान और समान भागीदारी का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। इसी के साथ भातखण्डे कल्चरल क्लब के तत्वावधान में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' को लेकर भी जागरूकता रैली निकाली गई, जिसने माहौल को और भी जोशीला बना दिया।

कार्यक्रम का नेतृत्व महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) माधवी शुक्ला ने किया। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण केवल विचार नहीं, बल्कि समाज में बदलाव की दिशा है। इस दौरान मिशन शक्ति फ़ेज-5 के अंतर्गत छात्राओं के कैरियर और कौशल विकास के लिए एक विशेष समिति का गठन भी किया गया, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगी। पदयात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. शेफालिका राय ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. (डॉ.) कुसुम लता ने किया। कार्यक्रम में 69 छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई और नारी सशक्तिकरण का संदेश बुलंद किया।

पोषाहार वितरण में लापरवाही पर सख्ती, सात सीडीपीओ व सुपरवाइजरों को नोटिस,वेतन रोकने की चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में पोषाहार वितरण व्यवस्था में लापरवाही बरतने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। ई-केवाईसी और चेहरा प्रमाणीकरण (एफआरसी) के जरिए लाभार्थियों को पोषाहार वितरण में ढिलाई मिलने पर सात बाल विकास परियोजना अधिकारियों और कई सुपरवाइजरों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है।मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया ने समीक्षा बैठक के दौरान लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। इस कार्रवाई की जद में धर्मापुर, मछलीशहर, मड़ियाहूं, करंजाकला, मुंगराबादशाहपुर और रामपुर ब्लॉक के सीडीपीओ शामिल हैं। संबंधित सुपरवाइजरों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। इस मामले में जानकारी लेने पर बुधवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि एफआरसी के माध्यम से पोषाहार वितरण में जौनपुर ने प्रदेश स्तर पर नौवां स्थान प्राप्त किया है, जो पहले की तुलना में बेहतर प्रगति दर्शाता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सुधार न होने पर वेतन/मानदेय रोकने सहित विभागीय कार्रवाई की जाएगी। आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 2,27,335 लाभार्थियों के सापेक्ष अब तक केवल 1,95,885 को ही एफआरसी के माध्यम से पोषाहार वितरित किया जा सका है। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के उद्देश्य से वितरण प्रणाली में बदलाव किया गया है।नई व्यवस्था के तहत अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चेहरा प्रमाणीकरण के जरिए ही बच्चों को पुष्टाहार वितरित करेंगी, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

गौ-रक्षा के लिए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद करेंगे 81 दिवसीय 'गविष्ठि यात्रा'

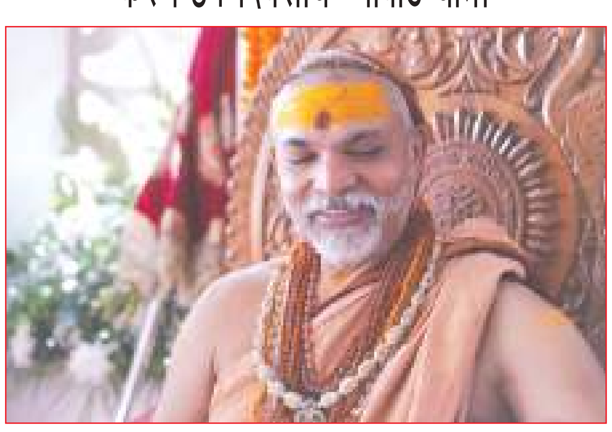

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने और सनातन धर्म के संरक्षण के लिए ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के सान्निध्य में 81 दिवसीय 'गविष्ठि (गो-रक्षार्थ-धर्मयुद्ध) यात्रा निकलेगी। यह विशाल यात्रा उत्तर प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी, जिसका नेतृत्व शंकराचार्य और गोपाल 'मणि करेंगे। बुधवार को यह जानकारी केदारघाट स्थित श्री विद्यामठ के प्रवक्ता संजय पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि यह यात्रा ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया से प्रारंभ होकर आषाढ़ शुक्ल दशमी (तदनुसार 03 मई से 24 जुलाई 2026) तक अनवरत चलेगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में गौ-भक्तों को जागृत करना और गौ-रक्षा हेतु ठोस कदम उठाना है। गविष्ठि यात्रा के प्रमुख संकल्पों में गौमाता को राज्यमाता/राष्ट्रमाता की प्रतिष्ठा सुनिश्चित कराना,प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक गौधाम' की स्थापना करना, प्रत्येक विधानसभा में हिंदुओं को 'गौ मतदाता' बनने के लिए प्रेरित करना, प्रत्येक ग्राम और मोहल्ले में 05 गौ वीरों' की नियुक्ति कर सुरक्षा तंत्र मजबूत करना,विधानसभा स्तर पर मौजूद गौशालाओं और बूचड़खानों की वर्तमान स्थिति का सटीक आंकलन करना है। संजय पांडेय ने बताया कि इस 81 दिवसीय यात्रा का भव्य समापन 24 जुलाई 2026 को लखनऊ स्थित 'मान्यवर श्री कांशीराम सांस्कृतिक स्थल (स्मृति उपवन)'में होगा। इस अवसर पर एक विशाल धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश भर से लाखों गौ-भक्त सम्मिलित होंगे। इस यात्रा का संयोजन शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के दंडी संन्यासी शिष्य स्वामी प्रत्यक्चैतन्य मुकुंदानन्द गिरि करेंगे।

'टाइपो-पिकनिक': बीएचयू एप्लाइड आर्ट्स विभाग ने काशी की गलियों में टाइपोग्राफी की लगाई जीवंत पाठशाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के दृश्य कला संकाय अंतर्गत एप्लाइड आर्ट्स विभाग ने बुधवार को 'टाइपो-पिकनिक' नामक एक अभिनव स्ट्रीट-आधारित टाइपोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया। यह पहल 'टाइपोयात्रा' कैलिग्राफी एवं टाइप डिजाइन कार्यशाला श्रृंखला के तहत आयोजित की गई। इसका उद्देश्य छात्रों को वास्तविक जीवन के दृश्य परिवेश में टाइपोग्राफी की समझ विकसित करना था। कार्यक्रम में लगभग 50 छात्रों ने डॉ. अभिषेक वर्धन सिंह के मार्गदर्शन में गोदौलिया चौराहा से दशाश्वमेध घाट तक तीन घंटे की वॉक में भाग लिया। इस दौरान छात्रों ने काशी के व्यस्त बाज़ारों में प्रचलित वर्नाक्युलर टाइपोग्राफी का सूक्ष्म अध्ययन किया। विभागाध्यक्ष प्रो. मनीष अरोड़ा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने हाथ से लिखे साइनबोर्ड, देवनागरी और लैटिन लिपि के मिश्रण वाले बोर्ड, तथा स्थानीय बाज़ारों की दृश्य भाषा का विश्लेषण किया। अध्ययन के दौरान लेटरफॉर्म विकृति, टाइपोग्राफिक हायरार्की के उलटाव और अनियोजित दृश्य परिवेश में अक्षरों के सह-अस्तित्व जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। विशेष रूप से 'एकम काशी' के संस्कृत-अंग्रेज़ी द्विभाषी साइनबोर्ड को सुविचारित टाइपोग्राफी के एक दुर्लभ उदाहरण के रूप में रेखांकित किया गया। डॉ. अभिषेक वर्धन सिंह ने बताया कि इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य अक्षरों को उनकी संरचनात्मक तर्क प्रणाली, सामग्री, सतह उपचार, स्थानिक व्यवस्था और कार्यात्मक संदर्भ के आधार पर समझना था। साथ ही, भारतीय वर्नाक्युलर टाइपोग्राफी की हाइब्रिड प्रकृति को पहचानने पर भी बल दिया गया। प्रो. मनीष अरोड़ा ने कहा, यह शहर सदियों से टाइपोग्राफी सिखाता आ रहा है। हमने केवल छात्रों को वह दृष्टि दी है, जिससे वे दीवारों पर लिखी भाषा को पढ़ सकें। 'टाइपो-पिकनिक' जीवन के बीच सीखने का एक सशक्त माध्यम है। यह पहल एक ऐसी शिक्षण पद्धति को रेखांकित करती है, जिसमें कक्षा से बाहर निकलकर वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से सीखने को प्राथमिकता दी जाती है। वाराणसी की सड़कों पर प्रत्यक्ष अवलोकन के जरिए छात्रों ने अक्षरों को केवल डिज़ाइन तत्व नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की दृश्य संस्कृति के अभिन्न हिस्से के रूप में समझा।